डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-aadhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG,5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG,8

सिनेमः रणवीर सिंह नहीं बल्कि साउथ के ये दो सुपरस्टार हैं.....

वर्ष -07 अंक -338 | प्रयागराज, शनिवार 12 फरवरी, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

क्वाड की चौथी बैठक होने वाली है बेहद खास, चीन समेत कई मुद्दों पर होगी चर्चा और बनेगी रणनीति

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर क्वाड की बैठक में हिस्सा लेने आस्ट्रेलिया पहुंचे हुए हैं। इस दौरान उनकी आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्काट मारिसन, आस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री मेरिस पायने, जापान के विदेश मंत्री योशिमाशा हयाशी और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात होगी। क्वाड की चौथी बैठक से पहले सभी का एक फोटो सेशन भी हुआ है। एस जयशंकर ने इस दौरान हुई बैठक में कहा कि सितंबर में आस्ट्रेलिया के पीएम और भारत के पीएम नरेन्द्र मोदी ने एक क्वाड को लेकर अपना एक विजन साझा किया था। उन्होंने अन्य सदस्यों को इस बात के प्रति आश्वस्त किया कि हम सभी सदस्य उस पर काम कर रहे हैं।

साल 2020 में साइबर अपराधों में हुआ 11 फीसद का इजाफा, पढ़ें एनसीआरबी की रिपोर्ट

नई दिल्ली। देश में साइबर अपराध के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक साल 2022 में साइबर अपराध के मामलो में 11 फीसद से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। गृह मंत्रालय ने गृह समिति को इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, 'भारत में साल 2017 में साइबर अपराध के 21,796 मामले दर्ज किए गए थे। 2018 में ये मामले बढ़कर 27,248 हो गए थे। साल 2019 में साइबर अपराध के 44735 मामले दर्ज किए गए और इसके

अगले साल यानी 2020 में ये आंकड़ा 50,035 तक पहुंच गया। 2019 के मुकाबले साल 2020 में साइबर अपराध के मामलों में 11.8 फीसद का इजाफा देखा गया। ये आंकड़े एनसीआरबी की रिपोर्ट ठभारत में अपराध, 2020 से लिए गए हैं। इस श्रेणी के तहत अपराध दर 2019 में 3.3 फीसद से बढ़कर 2020 में 3.7 फीसद हो गई। 2020 में दर्ज किए गए साइबर अपराध के 60.2 प्रतिशत मामले (30,142) धोखाधड़ी के थे। वहीं, यौन शोषण के 6.6 फीसद (3,293) और वसूली के 4.9 फीसद (2,440) मामले थे। गृह समिति साइबर स्पेस में मामलों के बढ़ने से चिंतित है, क्योंकि साइबर अपराधी ऐसे अपराधों को अंजाम देने के लिए नए तौर-तरीकों का सहारा लेते हैं।

राज्यसभा में बोलीं वित्त मंत्री- विकास के लिए 25 साल का रोडमैप जरूरी, हमारा पूरा जोर आर्थिक विकास पर

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शुक्रवार को

राज्यसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा का जवाब देंगी। इससे पहले उन्होंने गुरुवार को लोकसभा में बजट पर जवाब दिया था। बता दें कि वित्त मंत्री ने 1 फरवरी को संसद में आम बजट पेश किया थ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी वित्त वर्ष के लिए पेश बजट पर लोकसभा में चर्चा के दौरान बताया कि हर साल एक ही देश से 2.5 करोड़ छाते का आयात होता है। उन्होंने चीन की ओर इशारा करते हुए कहा कि इसे देखते हुए ही छाते के आयात पर लगने वाले 10 प्रतिशत शुल्क को बजट में 20 प्रतिशत कर दिया गया। उन्होंने बताया कि घरेलू छाता निर्माता एमएसएमई कंपनियों ने यह शिकायत की थी कि कम शुल्क की वजह से देश में चीन से छाते का आयात लगातार बढ़ रहा है। आयात शुल्क बढ़ने से घरेलू छोटे उद्यमियों को निर्माण का मौका मिलेगा। लोकसभा में सीतारमण ने यह भी बताया वर्ष 2013 में कांग्रेस के शासन काल में विश्व व्यापार संगठन (डब्लूयूटीओ) के बाली समझौते में सरकार ने ऐसा समझौता कर लिया था जिसके तहत वर्ष 2017 के बाद से सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों से चावल की खरीदारी नहीं कर पाती, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने इसे ठीक कराया, तभी आज हम किसानों से अनाज खरीद कर गरीबों में बांट पा रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र जो सेस वसूलता है, उसमें से राज्यों को विभिन्न केंद्रीय कार्यक्रम के तहत राशि दी जाती है। वित्त वर्ष 2013-14 में राज्यों को केंद्र की तरफ से छह लाख करोड़ गए थे, जो चालू वित्त वर्ष में 17 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है। वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि सरकारी टेलीकाम कंपनी बीएसएनएल को पुनर्जीवित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और उसकी 4जी सेवा लांच करने के लिए 24,000 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने चीन में MBBS की पढ़ाई के प्रति छात्रों को किया सावधान, पत्र जारी कर दिए निर्देश

नई दिल्ली। चिकित्सा के क्षेत्र में अपना करियर बनाने की इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने जरूरी दिशा निर्देश जारी किए हैं। आठ फरवरी

को आयोग के तरफ से जारी एक पत्र में चीन द्वारा एमबीबीएस कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए नोटिस पर ध्यान केंद्रित किया गया है। आयोग की सचिव संध्या भुल्लर ने छात्रों को चेतावनी देते हुए कहा है कि, छात्र सोच समझकर यह फैसला करें कि उन्हें मेडिकल की पढ़ाई कहां से करनी है। गौरतलब है कि, देश में कोविड संक्रमण फैलने के बाद नवंबर 2020 से चीनी वीजा और यात्रा पर प्रतिबंध लगा हुआ है। बावजूद इसके चीन के कुछ विश्वविद्यालयों ने विदेशी छात्रों के लिए आगामी शैक्षणिक वर्ष में एमबीबीएस कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है। आपको बता दें, चीन पर प्रतिबंधों के कारण बड़ी तादाद में विदेशी छात्र, जिनमें भारतीय भी शामिल है। वो चीन वापस नहीं जा पाए हैं, जिसके चलते उनकी चीनी विश्वविद्यालयों में चल रही चिकित्सा शिक्षा अधर में है। आयोग के पत्र में साफ किया गया है कि भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के संज्ञान में आया है कि चीन के कुछ विश्वविद्यालयों ने वर्तमान और आगामी शैक्षणिक वर्षों के लिए एमबीबीएस कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है। इस संदर्भ में, किसी भी संभावित छात्र को यह जानने की जरूरत है कि चीन ने के मद्देनजर सख्त यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं और नवंबर 2020 से सभी वीजा निलंबित कर दिए हैं। साथ ही बताया गया है कि अभी तक प्रतिबंधों में कोई ढील नहीं दी गई है। वहीं, चीन द्वारा पाठ्यक्रम आनलाइन आयोजित किए जाने के मुद्दे पर आयोग ने साफ किया है कि मौजूदा नियमों के मुताबिक आनलाइन किए गए चिकित्सा पाठ्यक्रमों को मान्यता नहीं जाएगी। आयोग ने छात्रों को सलाह दी है कि चीन या किसी भी विदेशी संस्थानों में प्रवेश लेने की योजना बनाने से पहले विनियमों पर खासतौर से ध्यान दें। विनियम भारतीय नागरिकों और भारत के प्रवासी नागरिकों के लिए पात्रता मानदंड निर्धारित करता है। इसमें राष्ट्रीयता, योग्यता, इंटर्नशिप से संबंधित बुनियादी मानदंड शामिल हैं।

1975 से अब तक 342 विदेशी व 129 भारतीय मूल के सैटेलाइट को ISRO कर चुका है लांच

नई दिल्ली। साल 1975 से लेकर अब तक भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने भारतीय मूल के कुल 129 सैटेलाइट और 36 देशों के 342 सैटेलाइट को लांच किया। इसमें से 39 सैटेलाइट कमर्शियल और बाकी के नैनो सैटेलाइट थे। गुरुवार को संसद में दी गई जानकारी में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, 'अंतरिक्ष में अभी 53 भारतीय आपरेशनल सैटेलाइट है। इसमें से 21 कम्युनिकेशन सैटेलाइट, 8

नैविगेशन, 21 अर्थ आब्जर्वेशन सैटेलाइट और तीन साइंस सैटेलाइट है।' केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह ने आज राज्यसभा में दो सवालों के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। जवाब में उन्होंने यह भी बताया कि अंतरिक्ष में मौजूद भारतीय सैटेलाइट से मिले डेटा का उपयोग देश के विभिन्न क्षेत्रों में किया जा रहा है। ये क्षेत्र हैं टेलीविजन प्रसारण, डायरेक्ट टू होम, एटीएम, मोबाइल संचार, टेली एजुकेशन, टेली मेडिसिन, मौसम की जानकारी, कीट संक्रमण, कृषि मौसम विज्ञान और संभावित मछली पकड़ने के क्षेत्र शामिल हैं। विज्ञानी समुदाय लगातार यह जानने के लिए प्रयासरत है कि इस असीम ब्रह्मांड में हमारी पृथ्वी से इतर भी किसी ग्रह पर जीवन संभव है या नहीं। भारतीय खगोलविदों ने अब तक ज्ञात करीब 5,000 ग्रहों में से 60 ऐसे ग्रहों को चिह्नित किया है, जहां जीवन संभव हो सकता है। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) आधारित एल्गोरिदम का प्रयोग किया गया है। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन स्वायत्त संस्थान इंडियन इंस्टीट्यूट आफ एस्ट्रोफिजिक्स के विज्ञानियों ने बिट्स पिलानी, गोवा कैंपस के शोधकर्ताओं के साथ मिलकर इस प्रयोग को अंजाम दिया है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने बताया कि करीब 5000 पुष्ट और 8000 संभावित ग्रहों का आकलन किया गया।' से उनकी समानता परखी गई। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ एस्ट्रोफिजिक्स, बेंगलुरु की डा. मार्गरिटा साफोनोवा और बिट्स पिलानी के प्रोफेसर स्नेहांशु साहा की देखरेख में अध्ययन किया गया।

हाईकोर्ट के आदेश पर CM बसवराज बोम्मई का बयान कहा- 'सोमवार से खुलेंगे स्कूल, सभी से शांति बनाए रखने की अपील

बेंगलुरु । कर्नाटक हाईकोर्ट ने स्कूलों में ड्रेस कोड पर राज्य सरकार के नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी है। चीफ जस्टिस रितु राज अवस्थी ने अहम टिप्पणी करते हुए

कहा है कि छात्र स्कूलों और कालेजों से धार्मिक ड्रेस के लिए जिद नहीं कर सकते हैं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि कालेजों को फिर से खोलने का आदेश जारी किए जाएं। वहीं, हाईकोर्ट के आदेश पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि, पिछले दो दिन बेहद शांतिपूर्ण रहे हैं। आज हाईकोर्ट की 3 सदस्यीय पीठ ने मामले को सोमवार के लिए स्थगित करते हुए सभी स्कूलों को फिर से खोलने की अपील की है, लेकिन दोनों पक्षों द्वारा किसी भी धार्मिक ड्रेस कोड का पालन नहीं किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि, मैं सभी से एक साथ काम करने और कालेजों में शांति की अपील करता हूं। सोमवार से 10वीं तक की कक्षाओं के लिए स्कूल खुलेंगे। डिग्री कालेज बाद में खुलेंगे। बता दें कि, चीफ जस्टिस रितु राज अवस्थी ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि छात्र स्कूलों और कालेजों से धार्मिक ड्रेस के लिए जिद नहीं कर सकते हैं। कोर्ट ने इलाके में शांति बहाल करने के भी निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि गुरुवार को कोर्ट में तीन जजों की पीठ ने मामले में सुनवाई की। बुधवार को मुख्य न्यायाधीश रितु राज अवस्थी ने बुधवार को सुनवाई के लिए तीन जजों की एक पीठ का गठन किया था, जिसमें वो खुद भी शामिल हैं। उनके साथ न्यायमूर्ति कृष्णा एस दीक्षित और न्यायमूर्ति जे एम खाजी ने आज मुद्दे से जुड़ी विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने सरकार के फैसले के खिलाफ कई दलीलें दी।

रक्षा अनुबंधों के लिए यूक्रेन, रूस की कंपनियों में रहती है प्रतिस्पर्धा, रिश्वतखोरी मामले की सीबीआइ जांच से सामने आई यह जानकारी

नई दिल्ली। नौसेना के पूर्व और वर्तमान अधिकारियों के खिलाफ कथित रिश्वतखोरी की सीबीआइ जांच से पता चलता है

कि भारतीय नौसेना का अनुबंध हासिल करने के लिए यूक्रेन और रूस की कंपनियों में बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा रहती है। जांच के दौरान दुबई स्थित एक कारोबारी एजेंसी की निगरानी पर आया। इस कारोबारी ने कथित रूप से दुबई से सेवानिवृत्त नौसेना अधिकारी रणदीप सिंह के लिए पैसा भारत तक पहुंचाया था। सीबीआइ ने पिछले साल सितंबर में उसे गिरफ्तार कर लिया था। फिलहाल वह जमानत पर बाहर है। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआइ ने चार से 11 सितंबर के बीच इस कारोबारी से पांच दौर की पूछताछ की थी। 13 सितंबर को उसकी आवाज का नमूना भी लिया था। माना जाता है कि यह कारोबारी यूक्रेन की रक्षा उत्पादक कंपनी स्टेप्स टेकने एक्सपर्ट का सहयोगी है। कारोबारी ने यूक्रेनी कंपनी के साथ नौसेना अधिकारियों की सूची के अलावा कुछ दस्तावेज साझा किया था, ताकि वह भारतीय पनडुब्बियों के लिए फुटकर उपकरणों और अन्य वस्तुओं के सौदे से रूसी कंपनी रोसोबोरोनेक्सपोर्ट को बाहर कर सके। सीबीआइ को पता चला है कि कारोबारी को यह दस्तावेज कथित रूप से रणदीप सिंह ने उपलब्ध कराया था। अमेरिकी संसद का उच्च सदन सीनेट यूक्रेन पर साइबर अटैक के लिए रूस पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। यह प्रस्ताव सीनेट की विदेश मामलों की समिति की ओर से पेश हुआ है। इसमें कहा गया है कि रूस ने जनवरी में यूक्रेन पर तमाम साइबर हमले किए। इनमें से एक हमले में यूक्रेन की 70 प्रतिशत सरकारी वेबसाइटों को हैक कर लिया गया था जिससे सरकार का कामकाज लगभग ठप हो गया था। अमेरिका ने यूक्रेन पर रूसी सेना का हमला होने पर रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी है लेकिन ये प्रतिबंध उससे पहले लग सकते हैं।

आम लोगों के लिए आज से खुलेगा 'मुगल गार्डन

नई दिल्ली। दिल्ली में मुगल गार्डन शनिवार से 16 मार्च तक आम जनता के लिए खुल जाएगा।गुरुवार को राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि विजिटर्स पहले ही आनलाइन बुकिंग कर सकते हैं और उन्हें इसके साथ गार्डन देखने की अनुमति होगी। बुकिंग लिंक के माध्यम से की जा सकती है पिछले साल की तरह इस साल भी एहतियात के तौर पर वाक-इन एंट्री उपलब्ध नहीं है। राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन के वार्षिक 'उद्यानोत्सव' का उद्घाटन किया। बयान में कहा गया है, मुगल गार्डन 12 फरवरी, 2022 से 16 मार्च, 2022 तक (सोमवार को छोड़कर जो रखरखाव के दिन हैं) सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे के बीच आम जनता के लिए खुला रहेगा। अंतिम प्रवेश शाम चार बजे होगा। दौरे के दौरान, विजिटर्स को कोविड प्रोटोकाल का पालन करना होगा जैसे कि मास्क

पहनना, शारीरिक दूरी बनाए रखना आदि। उन्हें प्रवेश द्वार पर थर्मल स्क्रीनिंग से गुजरना होगा। बिना मास्क के किसी भी विजिटर को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। सभी के लिए प्रवेश और निकास राष्ट्रपति संपदा के गेट नंबर 35 से होगा जहां नार्थ एवेन्यू राष्ट्रपति भवन से मिलता है। यात्रा के दौरान विजिटर्स मोबाइल फोन ले जा सकते हैं। बयान में यह भी कहा गया कि विजिटर्स से अनुरोध किया जाता है कि वे कोई पानी की बोतल, ब्रीफकेस, हैंडबैग या लेडीज पर्स, कैमरा, रेडियो या ट्रांजिस्टर, बाक्स, छतरियां, हथियार और गोला-बारूद और खाने का सामान आदि न लाएं। सार्वजनिक मार्ग के विभिन्न स्थानों पर हैंड सैनिटाइजर, पेयजल, शौचालय, प्राथमिक उपचिकित्सा सुविधा की व्यवस्था की गई है। इस वर्ष के उद्यानोत्सव का मुख्य आकर्षण ट्यूलिप की 11 किस्में होंगी, जिनकी फरवरी के दौरान चरणों में खिलने की उम्मीद है। सेंट्रल लान में शानदार डिजाइनों में फ्लावर कार्पेट भी प्रदर्शित किए जाएंगे। इस वर्ष के सजावटी फूलों की प्रमुख रंग योजना सफेद, पीला लाल और नारंगी है। बगीचों में कुछ वायु शुद्ध करने वाले पौधों के साथ एक छोटा कैक्टस कार्नर भी तैयार किया गया है।

पुष्पा' स्टाइल में चलाया जाएगा जागरूकता अभियान

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए जिलाधिकारी प्रयागराज संजय कुमार खत्री ने चलाई जा रही है। करछना विधानसभा के गांव, बाजारों में टीमें घर घर जाकर मतदाताओं से शपथ पत्र ले रहे है उन्होंने कहा कि इस बार पुष्पा सीरीज के माध्यम से

तरीका ढूढ़ निकाला है। शहर और ग्रामीणों में कम जागरूकता होने के कारण मतदान प्रतिशत हमेशा कम रहा है। इस प्रतिशत को बढ़ाने के उद्देश्य से कई जन जागरूकता छोटे-छोटे क्रिएटिव प्रोग्राम हर चौराहों, बाजारों में करा कर मतदाताओं को जागरूक करने का काम किया जाएगा। इससे मतदान का प्रतिशत बढ़ेगा।

प्रतापपुर प्रत्याशी विजमा यादव ने कई गांव में किया जनसंपर्क

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। प्रतापपुर विधानसभा की सपा प्रत्याशी पूर्व विधायका

विजमा यादव ने अगहुआ, कोनार, अमिलिया,नईकोट,कुसेहटा, ढेलहा,पहंसी,खंसार,सेहुवाडीह,मैलहन, मेहंदीपुर, आदि गांवों में जनसंपर्क कर लोगों से समाजवादी पार्टी को भारी बहुमत से जीत दिलाने का निवेदन किया पूर्व विधायका ने संपर्क के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष के घोषणा पत्र छात्रों को लैपटॉप 300 यूनिट मुक्त बिजली छात्रों को सम्मान किसानों का सम्मान आज की बातें बताते हुए सपा को मजबूत बनाने का आवाहन किया। इस मौके पर मोहम्मद सालिम बबलू प्रधान, मोहम्मद इलियास, राकेश यादव, जगदीश भाई, उदय राज यादव, रामप्यारे यादव आदि लोग मौजूद रहे।

फूलपुर के सपा पदाधिकारियों के साथ मुजतबा ने की मंत्रणा

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। फूलपुर विधानसभा के समाजवादी कार्यकर्ताओं बूथ अध्यक्षों फ्रंटल अध्यक्षों विधानसभा पदाधिकारियों सेक्टर प्रभारियों के

साथ सपा के प्रत्याशी मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी ने अपने विद्यालय प्रांगण में बैठक कर यूथो से बूथों का हाल जाना। कार्यकर्ताओं का दर्द और सुझाव सुना। खचाखच भरे हाल में पदाधिकारियों ने कहा कार्यकर्ताओं का सम्मान सर्वोपरि हो। किसी ने कहा हमें राष्ट्रीय अध्यक्ष का मान सम्मान रखना है। इस प्रकार अन्य कार्यकर्ता ने कहा कि सुझाव शिकायतें यानी घर की बात घर में रहनी चाहिए। टाउन एरिया सभासद अरशद उल्ला ने कहा यह लड़ाई सच और झूठ के बीच की है। अतुल यादव ने कहा कि कार्यकर्ताओं का सम्मान रखा जाए। मठाधीशो को हाशिए पर रखा जाए। मुस्ताक अहमद ने कहा कि जुल्मी सरकार को हटाने के लिए घर घर से वोट निकाली जाए। अध्यक्षता शकील इस्माइल ने किया। संचालन अशर्फीलाल ने किया। अंत में फूलपुर प्रत्याशी मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी ने जमीनी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को उनका मान सम्मान और सुझाव सदैव बरकरार रखने की बात कही। कार्यक्रम में राम सुमेर पाल महाबली यादव बेला यादव रामचंद्र यादव प्रवेश भाई मोहम्मद असद जियाउद्दीन अहमद टिंकू भाई अनिल यादव छोटे प्रधान मुलायम यादव सददन भाई आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत मल्लापुर विकासखंड हरगांव में चतुरा तालाब में जेसीबी से चल रहा है कार्य

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर। जहां एक और ग्रामीणों को रोजगार देने की बात की जा रही है वहीं पर ग्राम प्रधान लल्लू व उसके सहयोगी तथा

तकनीकी सहायक व सचिव के मिलीभगत से ग्रामीण मजदूरों को काम ना देकर जेसीबी से कार्य कराया जा रहा है जो कि मनरेगा योजना की गाइड लाइन के विपरीत है कहीं ना कहीं विकासखंड के मुखिया द्वारा अनदेखी की जा रही है सचिव तकनीकी सहायक ग्राम प्रधान मलाई खा रहे हैं देखा जाएगा इस प्रकरण में क्या कार्यवाही की जाती है मनरेगा योजना गाइडलाइन के नियम के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराए जाने की व्यवस्था है प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई जाती है कि नहीं यह देखने योग्य होगा ग्राम प्रधान द्वारा जेसीबी के निशान मिट जाए जा रहे हैं और उनके सहयोगियों द्वारा कहा जा रहा है कि खंड विकास अधिकारी को पैसे देकर निपटा लूंगा पाइप डाल आने के नाम पर जेसीबी अंदर घुस आया हूं तालाब को खोदता रहूंगा तुम मेरा कुछ नहीं कर पाओगे।

यूपी चुनाव के पहले चरण मे शामली व मुजफ्फरनगर में जमकर हुए मतदान,कुल 57.79 प्रतिशत वोटिंग

नौ मंत्रियों की ईवीएम में कैद हो जाएगी किस्मत

(आधुनिक समाचार सेवा)

लखनऊ। उत्तर-प्रदेश में 18वीं विधानसभा के गठन के लिए सात चरणों में होने वाले मतदान में पहले चरण की वोटिंग धूप निकलने के साथ बढ़ती जा रही है। कोहरे तथा ठंड के बाद धीमी गति से शुरू मतदान ने अब गति पकड़ ली है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2002 में पहले चरण के मतदान में 11 जिलों के 58 विधानसभा क्षेत्र में एक बजे तक 35.03 प्रतिशत मतदान हो गया था। प्रातः सात बजे से शाम छह बजे तक होने वाले मतदान में आज प्रदेश की योगी आदित्य नाथ सरकार के नौ मंत्रियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो जाएगी।मुजफ्फरनगर जिले में सबसे ज्यादा वोटिंग यूपी के पहले चरण के मतदान में 5 बजे तक कुल 57.79 प्रतिशत मतदान हो गया है। मुजफ्फरनगर जिले में सबसे ज्यादा 62.14 प्रतिशत मतदान हुआ, वहीं सबसे कम गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर में हुआ। दोनों जिलों में 54.77 औसत वोटिंग हुई। शामली में 61.78 प्रतिशत मतदान हुआ। इसी प्रकार मेरठ में 58.52, बागपत में 61.35, हापुड़ में 60.50, बुलंदशहर में 60.52, अलीगढ़ में 57.25, मथुरा में 58.51 तथा आगरा में 56.61 प्रतिशत मतदान हो गया था।

भाजपा प्रत्याशी के लिए सीतापुर में सभाएं करने पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर। चुनावी माहौल को गर्म करने एवं अपने प्रत्याशी के लिए वोट मांगने भारतीय जनता

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सीतापुर में दो जनसभाएं की बिसवां विधानसभा में निर्मल वर्मा के लिए एवं मिश्रिख विधानसभा में रामकृष्ण भार्गव के लिए जनसभाएं की रामकृष्ण भार्गव को मिश्रिख सीट के लिए भारतीय जनता पार्टी ने दोबारा मौका दिया है वही बिसवां के मौजूदा विधायक महेंद्र यादव का टिकट काटकर बसपा से भाजपा में आये निर्मल वर्मा को भाजपा ने मौका दिया है उन्हीके समर्थन में विशाल सार्वजनिक सभा को मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी ने सम्बोधित किया।

पत्नी की हत्या करने वाला साली व शाल संग गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। अपनी सगी बहन के हक पर न केवल डाका डाली बल्कि बहनोई संग उसकी हत्या करने वाली साली आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गई।पुलिस ने जीजा और साली को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दोनों का मोबाइल भी पुलिस ने बरामद कर लिया।दिनांक 09.02.22 को थाना संग्रामगढ़ पर दशरथलाल पुत्र कल्लू राम निवासी मादामई थाना लालगंज, जनपद प्रतापगढ़ द्वारा सूचना दी गयी कि उसकी विवाहिता लड़की वन्दना उर्फ सुशीला की उसके पति अंकित कुमार व उसकी छोटी पुत्री मोनी द्वारा दिनांक 06.02.2022 की रात्रि को हत्या कर दी गयी।इस संबंध में वादी की तहरीर पर थाना संग्रामगढ़ पर मु0अ0सं0 38/2022 धारा 302, 201 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया।अभियोग की विवेचना/कार्यवाही के क्रम में थानाध्यक्ष संग्रामगढ़ अनिल कुमार पाण्डेय की टीम द्वारा वांछित वारण्टी अभियुक्त को थाना क्षेत्र के बाबागंज नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त

01शॉल बरामद की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त अंकित कुमार द्वारा बताया कि उसका आपस में प्रेम संबंध है और वे दोनों आपस में बातचीत करते है जिसका उसकी पतनी वंदना उर्फ सुशीला (मृतका) विरोध करती थी। दिनांक 06.02.2022 को वह व उसकी साली मोनी फोन से बात कर रहे थे जिसे उसकी पतनी ने सुन लिया व उससे झगड़ा करने लगी।जब उसने यह बात अपनी साली को बतायी थी तो उसी रात्रि योजनाबद्ध तरीके से वह अपनी साली मोनी को अपने घर ले आया और फिर उन दोनों ने मिलकर 01 शॉल से अपनी पतनी का मुँह व गला दबाकर उसकी हत्या कर दी थी।इसके बाद वह अपनी साली मोनी को उसके घर छोड़ आया और सभी को अपनी पतनी की तबीयत खराब होने की सूचना दे दी व कुछ देर बाद में तबीयत खराब होने से उसकी मृत्यु हो जाने की सूचना दे दी।अंकित कुमार पुत्र बचाई निवासी हरियापुर, कुसुवापुर थाना संग्रामगढ़, जनपद प्रतापगढ़ का निवासी है जबकि मोनी पुत्री दशरथलाल दामई थाना लालगंज जनपद, प्रतापगढ़ की निवासी है।

मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता में विजेताओं को मिलेगा पुरस्कार -जिला निर्वाचन अधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 नितिन बंसल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक वोट की महत्ता दर्शाने एवं मतदाता जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 05 तरह की प्रतियोगितायें आयोजित की जाएगी जिनमें विजयी प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं विशेष श्रेणी में नकद पुरस्कार दिया जायेगा। मतदाता जागरूकता हेतु जो 5 तरह की प्रतियोगितायें आयोजित की गयी है उनमें क्विज कान्टेस्ट, वीडियो मेकिंग कान्टेस्ट, पोस्टर डिजाइन कान्टेस्ट, सांग कान्टेन्स्ट एवं स्लोगन कान्टेस्ट सम्मिलित है। राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता का विषय ''माई वोट इन माई फ्यूचर-पॉवर ऑफ वन वोट'' पर आधारित है। प्रतियोगिता में भाग लेने की अन्तिम तिथि 15 मार्च 2022 तक है। गीत प्रतियोगिता में अधिकतम 03 मिनट की रिकार्डिंग भेजी जा सकती है, वीडियो प्रतियोगिता में वीडियो की अवधि 01 मिनट से अधिक नही होनी चाहिये। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागी डिजिटल पोस्टर, स्केच या पेन्टेड पोस्टर थीम पर भेज सकते है। पोस्टर अच्छी गुणवत्ता का होना चाहिये। सांग कन्टेस्ट, वीडियो मेकिंग कान्टेस्ट व पोस्टर डिजाइन कान्टेस्ट को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है जिनमें संस्थागत, पेशवेर व शौकीन व्यक्ति है, संस्थागत श्रेणी के अन्तर्गत स्कूल, कालेज, विश्वविद्यालय एवं संस्थायें है, पेशेवर श्रेणी के अन्तर्गत जो व्यवसायिक तौर पर रचनात्मक कार्य करते है तथा शौकीन व्यक्ति श्रेणी के अन्तर्गत ऐसे व्यक्ति जो हावी के रचनात्मक कार्य करते है। सांग कान्टेस्ट को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है जिनमें संस्थागत, पेशेवर व शौकीन व्यक्ति है। संस्थागत श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 1 लाख, द्वितीय पुरस्कार 50 हजार, तृतीय पुरस्कार 30 हजार व विशेष उल्लेख हेतु 15 हजार रूपये दिये जायेगें। पेशेवर श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 50 हजार, द्वितीय 30 हजार, तृतीय 20 हजार व विशेष उल्लेख हेतु 10 हजार दिये जायेगें। शौकीन व्यक्ति श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 20 हजार, द्वितीय 10 हजार, तृतीय 7500 व विशेष उल्लेख हेतु 3 हजार दिये जायेगें। वीडियो मेकिंग कान्टेस्ट संस्थागत, पेशेवर व शौकीन व्यक्ति श्रेणी में विभाजित है जिनमें संस्थागत श्रेणी मे प्रथम पुरस्कार 2 लाख, द्वितीय पुरस्कार 1 लाख, तृतीय पुरस्कार 75 हजार व विशेष उल्लेख हेतु 30 हजार रूपये दिये जायेगें। पेशेवर श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 50 हजार, द्वितीय 30 हजार, तृतीय 20 हजार व विशेष उल्लेख हेतु 10 हजार दिये जायेगें। शौकीन व्यक्ति श्रेणी के तहत प्रथम पुरस्कार 30 हजार, द्वितीय 20 हजार, तृतीय 10 हजार व विशेष उल्लेख हेतु 5 हजार रूपये दिये जायेगें। पोस्टर डिजाइन कान्टेस्ट को भी संस्थागत, पेशेवर व शौकीन व्यक्ति श्रेणी में विभाजित किया गया है जिनमें संस्थागत श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 50 हजार, द्वितीय पुरस्कार 30 हजार, तृतीय पुरस्कार 20 हजार व विशेष उल्लेख हेतु 10 हजार रूपये दिये जायेगें। पेशेवर श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 30 हजार, द्वितीय 20 हजार, तृतीय 10 हजार व विशेष उल्लेख हेतु 5 हजार रूपये दिये जायेगें। पेशेवर व्यक्ति श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 20 हजार, द्वितीय 10 हजार, तृतीय 7500 व विशेष उल्लेख हेतु 3 हजार रूपये दिये जायेगें। स्लोगन कान्टेस्ट में प्रथम पुरस्कार 20 हजार, द्वितीय पुरस्कार 10 हजार, तृतीय पुरस्कार 7500 हजार रूपये दिये जायेगें तथा विशेष उल्लेख पुरस्कार हेतु 50 प्रतिभागियों को प्रत्येक को 2000 रूपये दिये जायेगें। क्विज कान्टेस्ट में विजेताओं को रोमांचक ईसीआई मर्चेडाइज मिलेगा और लेवल-3 पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट से सम्मानित किया जायेगा। प्रतियोगिता में प्रतिभागी निःशुल्क प्रतिभाग कर सकते है। दिनांक 15 मार्च 2022 तक सभी प्रविष्टियों को आयोग की ई-मेल पर प्रेषित करें। प्रतियोगिता के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी पर उपलब्ध है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को दिये निर्देश में कहा है कि इन प्रतियोगिताओं का सभी विद्यालयों में व्यापक प्रचार प्रसार कराया जाय।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। 5.आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। 8. अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 फरवरी 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

मरम्मत के नाम पर खिलवाड़, दूसरे ही दिन उखड़ने लगी गिट्टी

फेफना (बलिया) । राष्ट्रीय राजमार्ग-31 की हालत वर्षों बाद भी नहीं सुधर सकी है। किसी तरह मरम्मत का कार्य शुरू होने से लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन उनकी भाग में टेंडर किया है। इससे पहले पुरानी कंपनी का टेंडर निरस्त कर दिया था। अब तीन कंपनियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। गाजीपुर से फेफना तक 60 किलोमीटर का

उम्मीदों को फिर से झटका लग गया। बुधवार को काम शुरू होने के बाद दूसरे दिन ही सड़क की गिट्टियां उखड़ने लगीं। मानक के अनुरूप कार्य न होने से पिच उखड़ने लगी है। इससे क्षेत्रवासियो में तरह-तरह की चर्चाएं और आक्रोश हैं। इससे लोगों में रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि कार्यदायी संस्था सरकार और लोगों की आंखों में धूल झोंक रही है। एनएचएआइ ने एक माह पहले मरम्मत के लिए तीन कार्य एसआरएससी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड, फेफना से चिरैया मोड़ तक 45 किलोमीटर महादेव कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और चिरैया मोड़ से मांझी घाट के जयप्रभा सेतु तक 16 किलोमीटर जगदंबा इंटरप्राइजेज को कार्य करना है। कार्य समाप्त करने की अवधि जून 2022 है। एनएच-31 के निर्माण के लिए 81 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इससे 130 किलोमीटर में मरम्मत होगी।

22 स्थानों पर बैरियर व 50 से अधिक बनाए चेक प्वांइट

बलिया। विधानसभा चुनाव कराने के लिए पुलिस महकमे ने पूरी ताकत झोंक दी है। खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी की जा रही है। जनपद की अधिकांश सीमाएं पड़ोसी राज्य बिहार से सटी हैं। कई गांव नदी उस पार हैं। इन क्षेत्रों में चुनाव के दौरान खलल की आशंका को देखते हुए पुलिस के सामने बड़ी चुनौती है।इसके लिए सड़क मार्ग से लेकर जलमार्गीं पर नजर रखी जा रही है। गंगा व सरयू में नावों के संचालन की निगहबानी की जा रही है। दोनों राज्यों की पुलिस ने सामंजस्य स्थापित कर विशेष तैयारी की है। इसके लिए 22 बैरियर व 49 पुलिस पिकेट स्थापित किए गए हैं। अतिरिक्त फोर्स की तैनाती की जा रही है। 22 थानों व 26 चौकियों के पुलिस कर्मियों के अलावा पैरामिलिट्री फोर्स के जवान कमान संभाल चुके हैं। जनपद की सीमा में आने वाले मुख्य मार्गी पर चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। जनपदीय सीमा में गाजीपुर, मऊ व देवरिया की सीमा लगती हैं। इन स्थलों पर चेकिंग बढ़ा दी गई है। क्रिटिकल बूथों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। साथ ही ड्रोन से निगरानी की तैयारी चल रही है। चुनावी तैयारी के क्रम में दोनों राज्यों की पुलिस ने अपने क्षेत्र के अपराधियों की सूची का आदान-प्रदान किया है। इससे अपराधियों

को चिन्हित करना आसान हो गया है। सीमावर्ती क्षेत्रों में पुलिस की चहलकदमी तेज हो गई है। वाहन चेकिंग में सघन तलाशी ली जा रही है। वहीं आबकारी विभाग की टीम शराब तस्करी के खिलाफ अभियान में जुटी है। इसको लेकर लगातार छापेमारी की जा रही है। वर्जन बिहार पुलिस के साथ बैठक कर कार्य योजना बनाई गई है। स्थानीय लोगों से संपर्क-संवाद भी जारी है। सड़क के साथ नदियों में परिवहन पर नजर रखी जा रही है।

188 गांवों में जुलाई से मिलेगी निर्बाध बिजली

बलिया। गर्मी में जनता को फाल्ट मुक्त बिजली आपूर्ति की पुरजोर कोशिश चल रही है। सालों से जिले के 910 गांवों में जर्जर तार निर्बाध आपूर्ति में बाधा बन रहे हैं, इस समस्या को हमेशा के लिए समाप्त करने का काम तेज कर दिया गया है। करीब 950 किलोमीटर जर्जर तार व 350 पोल परिवर्तित किए जाएंगे। 20 हजार केबिल बाक्स भी लगेंगे। प्रगति की बात करें तो करीब 188 गांवों में जर्जर पोल और तार बदलने का कार्य पूरा कर लिया गया है। जुलाई तक चयनित गांवों में काम पूरा करने का लक्ष्य तय हुआ है। उत्तर प्रदेश पॉवर कारपोरेशन प्रोजेक्ट की सघन मानीटरिंग में जुट गया है। बिजली विभाग की मानें तो 36 गांवों में इसी हफ्ते कार्य पूरा कर लिया जाएगा। 188 गांवों में जुलाई से मिलेगी निर्बाध बिजली। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के इंजीनियरों ने रिपोर्ट तलब की है। पिछले दिनों करीब 220 किलोमीटर एरिएल बंच कंडक्टर (एबीसी) की आमद हुई थी। कार्य पूरा होने के बाद गांवों की बिजली की ट्रिपिंग समस्या दूर हो जाएगी। परियोजना पर करीब 70 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं, इसमें 58 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। बिजली चोरी व दुर्घटनाओं के रोकथाम में सहूलियत मिलेगी। हैदराबाद की नागार्जुन कंस्ट्रक्शन कंपनी को कार्य पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं को 24 घंटे, तहसील पर 20 और गांवों में 18 घंटे बिजली आपूर्ति का निर्देश है, मगर धरातल पर ऐसा नहीं हो रहा है। वर्षी पुराने जर्जर तार व

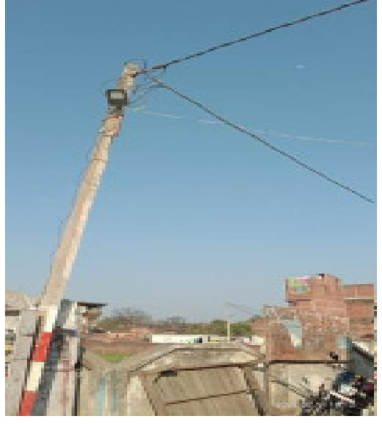

कटियामारी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रिपिंग की समस्या आम बात है। कई क्षेत्रों में बिजली कुछ ही घंटे मिल पाती है। बिजली विभाग को इससे हर वर्ष करोड़ों रुपये का नुकसान होता है। वर्जन मजरों के तार बदले जा रहे हैं। हैदराबाद की कंपनी को टेंडर मिला है। बिजली चोरी रोकने को केबिल बाक्स भी लगेंगे, वह हमेशा लाक रहेगा। सारे कनेक्शन इसी बाक्स से दिए जाएंगे। चाबी जेई के पास होगी।

सरिया लदा ट्रैक्टर-ट्राली पलटने से तीन मजदूर घायल

गाजीपुर। सिधार गांव के पास शुक्रवार की शाम सरिया लदी ट्रैक्टर-ट्राली पलटने से उस पर सवार तीन मजदूर दबकर घायल हो गए। एक की हालत गंभीर है। वहीं तीन मजदूर बाल-बाल बच गए। सदियाबाद से ट्रैक्टर-ट्राली पर सरिया लादकर सौरी गांव की एक बिल्डिग मेटेरियल की दुकान पर जा रहा था। दो मजदूर ट्रैक्टर चालक के पास और तीन सवार थे। सिधार गांव के समीप अचानक तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पटला। इस पर सवार तीनों मजदूर उपेंद्र (16), सूरज(16) व अरुण(17)निवासी सौरी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों ने किसी तरह से ट्रैक्टर के नीचे दबे तीनों मजदूरों को बाहर निकाला और एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय भिजवाया।

इसमें एक की हालत गंभीर है। ग्रामीणों का कहना है कि तेज रफ्तार के कारण ट्रैक्टर-ट्राली पलट गई।

रेफर सेंटर बना सीएचसी भदौरा, बुनियादी सुविधाएं नदारद

भदौरा (गाजीपुर) । सीएचसी पर इलाज के लिए आने वाले मरीजों को बस प्राथमिक उपचार मिल पाता है। इसके बाद तुरंत उन्हें रेफर का पर्चा थमा दिया जाता है। यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती न होने से इलाज कराने आने वाले मरीजों को परेशानी उठानी पड़ती है। एक्स-रे व अल्ट्रासाउंड की सुविधा न होने से बाहर करना पड़ता है जो काफी मंहगा पड़ता है। यहां से रेफर हुए मरीजों को इलाज के लिए दिलदारनगर, जिला मुख्यालय या फिर बिहार प्रांत के बक्सर जाना पड़ता है। ग्रामीणों ने सीएचसी पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति के साथ एक्स-रे व अल्ट्रासाउंड की सुविधा मुहैया कराने की मांग कई बार की, लेकिन किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया। सेवराई के अभिमन्यु सिंह का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जरूरी जांच सुविधा उपलब्ध न होने से काफी परेशानी होती है। नितेश सिंह का कहना है कि एक्स-रे व अल्ट्रासाउंड की सुविधा अविलंब किया जाए। ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को असुविधा का सामना न करना पड़े। सीएचसी पर मौजूद रहने वाली सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाए।

गाजीपुर में जहूराबाद से सपासुभासपा गठबंधन प्रत्याशी ओमप्रकाश राजभर ने किया नामांकन

गाजीपुर । विधानसभा चुनाव 2022 के लिए जहूराबाद विधानसभा सीट से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी गठबंधन के प्रत्याशी ओमप्रकाश राजभर ने शुक्रवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान काफी संख्या में उनके समर्थक भी मौके पर मौजूद रहे। नामांकन दाखिल करने के दौरान ओमप्रकाश राजभर के दो समर्थक सुरेंद्र राजभर और जयनाथ राजभर बतौर प्रस्तावक मौजूद रहे। वहीं उनके समर्थकों

का उत्साह सड़कों पर खूब नजर आया और पीले पट्टे के साथ समर्थकों ने भी खूब उत्साहवर्द्धन किया। इस बार विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के साथ सुभासपा साझा तौर पर चुनावी मोर्चे पर है। बीते वर्ष एआइएमएआइएम के असदुद्दीन ओवैसी के साथ चुनाव प्रचार शुरू करने के बाद सुभासपा प्रमुख ने साल के अंत तक समाजवादी पार्टी के साथ यूपी चुनाव में सीटें साझा करने के लिए समझौता किया था। इसके बाद सीटों पर समझौता होने के बाद सपा- सुभासपा की ओर से उम्मीदवारों की घोषणा की गई। इसी कड़ी में स्वयं सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने अपनी पुरानी परंपरागत सीट गाजीपुर की जहूराबाद से चुनावी मैदान में हैं। बीते विधानसभा चुनाव में वह भाजपा के साथ चुनावी मैदान में थे। इस बार वह समाजवादी पार्टी के साथ चुनाव लड़ रहे हैं, ऐसे में जहूराबाद से समाजवादी पार्टी के साथ साझा उम्मीदवार के तौर पर वह चुनाव मैदान में हैं। उनके साथ सुरेंद्र राजभर और जयनाथ राजभर बतौर प्रस्तावक नामांकन के दौरान मौजूद रहे। वहीं सुभासपा प्रमुख का उत्साहवर्द्धन करने के लिए पार्टी के काफी समर्थक भी उनके साथ मौजूद रहे। हालांकि, सुरक्षा बलों की मौजूदगी के बीच नियमानुसार सुभासपा प्रमुख अपने प्रस्तावकों के साथ नामांकन के लिए नामांकन कक्ष में गए और अपना नामांकन चुनाव अधिकारी को सौंपा। इसके पूर्व उनके वाराणसी के शिवपुर से चुनाव लड़ने की खूब चर्चा रही। चुनाव में सुभासपा चर्चा में : सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की ओर से इस बार मऊ सदर से मुख्तार अंसारी को टिकट देने का प्रकरण इन दिनों खूब चर्चा में है। मुख्तार इस बार मऊ सदर से सुभासपा के टिकट पर चुनाव लड़ने जा रहे हैं। इस बाबत बांदा जेल से सभी आवश्यक दस्तावेज मुख्तार अंसारी द्वारा भरा जाना है। वहीं पूर्व में ही सुभासपा प्रमुख द्वारा मुख्तार को समर्थन की बात कहने के बाद से ही सुभासपा चर्चा में है। वहीं पूर्व में सुभासपा प्रमुख के वाराणसी के शिवपुर से भाजपा प्रत्याशी अनिल राजभर के सामने उतरने की चर्चा थी। लेकिन, बाद में सुभासपा की ओर से अरविंद राजभर को सुभासपा की ओर से टिकट दिया गया है।

मऊ सदर पर मचा बवंडर, मुख्तार अंसारी और बेटा अब्बास दोनों ही करेंगे नामांकन

मऊ (गाजीपुर)। पूर्वांचल की चर्चित विधानसभा 356 मऊ सदर पर विधायक मुख्तार अंसारी व उनके बेटे अब्बास अंसारी दोनों ही लोग नामांकन करेंगे। यह जानकारी देते हुए उनके अधिवक्ता दारोगा सिंह ने बताया कि मुख्तार

के नामांकन पपत्र को पूरा कराने के लिए बांदा जेल से प्रकियाएं पूरी की जा रही हैं। पिता - पुत्र के एक साथ नामांकन करने से सियासी बाजार गर्म हो गया है कि अब सदर विधायक मुख्तार अपनी विरासत बेटे को सौंपने की तैयारी में हैं। कयास बाजियों का दौर यह भी है कि अगर किसी एक का नामांकन रद भी हो गया तो यहां से एक व्यक्ति चुनाव के मैदान में मौजूद रहेगा। मुख्तार अंसारी और उसके पुत्र अब्बास अंसारी दोनों ही के द्वारा मऊ सदर से नामांकन करने की जानकारी उनको टिकट देने वाले सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने भी शुक्रवार को पुष्टि की है। गाजीपुर की जहूराबाद सीट से ओम प्रकाश राजभर ने नामांकन कर वापस आते समय मीडिया से बात कर इस बात की जानकारी साझा की है। मुख्तार अंसारी के मऊ सदर से विधानसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि मऊ सदर से मुख्तार अंसारी और उसके पुत्र अब्बास अंसारी दोनों ही इस बार सुभासपा के टिकट से नामांकन करेंगे। नामांकन दाखिल करने के बाद इस पर विचार किया जाएगा कि वहां से अंतिम तौर पर कौन चुनाव लड़ेगा। दरअसल वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में अब्बास अंसारी को हार मिली थी। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में मऊ जिले के घोसी विधानसभा क्षेत्र से मुख्तार अंसारी के बड़े बेटे अब्बास अंसारी ने चुनाव मैदान में दस्तक दी थी। इस चुनाव में वह भाजपा के दिग्गज नेता फागू चौहान से वह चुनाव हार गए थे। इस बार चुनाव मैदान में ताल ठोंकने के लिए पिता पुत्र दोनों को ही सुभासपा की ओर से टिकट जारी किए जाने की जानकारी होने के बाद मऊ की सियासत में असमंजस का दौर शुरू हो गया है।

जमानियां स्टेशन पर पानी के लिए भटक रहे यात्री

जमानियां (गाजीपुर) । स्थानीय रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को पानी के लिए भटकना पड़ता है। यहां बने वाटर बूथ की आधे से ज्यादा टोटियां गायब हैं, जो है उनमें भी पानी नहीं। हैंडपंप का भी हलक सूखा हुआ है। शुक्रवार को जागरण टीम की पड़ताल में दानापुर

मंडल के महत्वपूर्ण स्टेशन पर यात्री पानी के लिए परेशान होते नजर आए। रेलवे विभाग को करोड़ों रुपये का वार्षिक राजस्व देने वाले पं दीनदयाल उपाध्याय- बक्सर रेलखंड पर स्थित जमानियां स्टेशन पर पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं होने से यात्रियों को कठिनाई हो रही है। वाटर बूथ के नल की टोटियां टूटी तो कुछ नल टोटीविहीन दिखे। यहां लगी 74 में 48 टोटियां गायब हैं। सबसे अधिक परेशानी प्लेटफार्म संख्या एक और दो पर यात्रियों को होती है। प्लेटफार्म संख्या एक पर लगा हैंडपंप भी महीनों से खराब है। डाउन प्लेटफार्म पर लगा वाटर कूलर केवल नाम का है। स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के लिए नगर व ग्रामीण क्षेत्रों सहित पड़ोसी जनपद चंदौली से बड़ी संख्या में लोग आते हैं। दानापुर मंडल के उच्चाधिकारियों ने जमानियां रेलवे स्टेशन का कई बार निरीक्षण किया। इसके बावजूद यात्री सुविधाओं में सुधार नहीं हो रहा है। पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कई बार रेल यात्रियों ने अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट भी कराया लेकिन फिर भी पेयजल व्यवस्था को ठीक नहीं किया गया। वाटर वेंडिग मशीन नहीं जमानियां स्टेशन पर आइआरसीटीसी से एक भी वाटर वेंडिग मशीन नहीं लगाई गई है,जबकि दिलदारनगर स्टेशन पर एक मशीन है। वेंडिग मशीन से यात्रियों को पांच रुपया में ही आसानी से शुद्ध पेयजल मिल जाता है। स्टेशन पेयजल व्यवस्था एक नजर में वाटर बूथ की आधे से ज्यादा टोटियां गायब हैं, जो है उनमें भी पानी नहीं। हैंडपंप का भी हलक सूखा हुआ है। शुक्रवार को जागरण टीम की पड़ताल में दानापुर मंडल के महत्वपूर्ण स्टेशन पर यात्री पानी के लिए परेशान होते नजर आए। रेलवे विभाग को करोड़ों रुपये का वार्षिक राजस्व देने वाले पं दीनदयाल उपाध्याय- बक्सर रेलखंड पर स्थित जमानियां स्टेशन पर पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं होने से यात्रियों को कठिनाई हो रही है। वाटर बूथ के नल की टोटियां टूटी तो कुछ नल टोटीविहीन दिखे। यहां लगी 74 में 48 टोटियां गायब हैं। सबसे अधिक परेशानी प्लेटफार्म संख्या एक और दो पर यात्रियों को होती है। प्लेटफार्म संख्या एक पर लगा हैंडपंप भी महीनों से खराब है। डाउन प्लेटफार्म पर लगा वाटर कूलर केवल नाम का है। स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के लिए नगर व ग्रामीण क्षेत्रों सहित पड़ोसी जनपद चंदौली से बड़ी संख्या में लोग आते हैं। दानापुर मंडल के उच्चाधिकारियों ने जमानियां रेलवे स्टेशन का कई बार निरीक्षण किया। इसके बावजूद यात्री सुविधाओं में सुधार नहीं हो रहा है। पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कई बार रेल यात्रियों ने अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट भी कराया लेकिन फिर भी पेयजल व्यवस्था को ठीक नहीं किया गया। वाटर वेंडिग मशीन नहीं जमानियां स्टेशन पर आइआरसीटीसी से एक भी वाटर वेंडिग मशीन नहीं लगाई गई है,जबकि दिलदारनगर स्टेशन पर एक मशीन है। वेंडिग मशीन से यात्रियों को पांच रुपया में ही आसानी से शुद्ध पेयजल मिल जाता है।

वाराणसी में चुनाव प्रचार करने पहुंचे भाजपा नेता अनुराग ठाकुर, कहा - 'पांच वर्षों में खत्म किया गुंडाराज माफियाराज'

वाराणसी। पीएम नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में चुनाव प्रचार करने पहुंचे भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने प्रचार के दौरान विपक्षियों पर जमकर वार किया। ठाकुर ने शुक्रवार को सपा- रालोद गठबंधन पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष को लोकतंत्र में विश्वास नहीं है। इन लोगों को जनता फिर सबक सिखाएगी। की कदर नहीं है। अनुराग ने कहा कि इसी से समझा जा सकता है कि लोकतंत्र के प्रति इनकी सोच कैसी है, यही वजह है कि पहले के चुनावों में भी जनता ने ऐसी पाटिर्यों को नकारा है और इस आगे भी नकारेगी, सभी को पता है कि एक- एक वोट देश को मजबूत करने के लिए बहुमूल्य है इसलिए वोट कहीं भी करें पर वोट अवश्य करें। उननव मामले पर एक्शन जल्द उननव में सपा नेता के खेल में दलित युवती की लाश मिलने के मामले पर कहा कि इसके पीछे जो भी होगा उसे सरकार बख्शेगी नहीं, तुरंत इन लोगों के खिलाफ एक्शन लिया जायेगा। योगी सरकार ने पिछले पांच वर्षों में सुनिश्चित किया है कि प्रदेश में महिलाओं, बेटियों, बहुओं सभी को सुरक्षा मिले साथ ही व्यापारियों को लूट छिनैती की समस्या से मुक्ति मिले, यही कारण है कि पिछले पांच वर्षों में गुंडाराज माफियाराज मुक्त करने में हमारी सरकार ने सफल प्रयास किया है और मजबूती के साथ इसे आगे बढाएगी।

कहा कि जनता ने ऐसी पार्टियों को पहले भी कई बार नकारा है और आगे भी नकारेगी। उननव मामले पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि सपा नेता के खेत में लाश मिली है, किसी को यूपी पुलिस नहीं बख्शेगी। केन्द्रीय मंत्री और भाजपा के यूपी चुनाव सह प्रभारी अनुराग सिगरा इलाके में भाजपा प्रत्याशियों के लिए वोट मांगने पहुंचे केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रालोद नेता जयंत चौधरी के मतदान न करने पर जमकर हमला बोला, उन्होने कहा कि ऐसे लोगों को बैठे- बिठाये राजनीति करने की आदत लग चुकी है, इसलिए इन्हें लोकतांत्रिक मूल्यों

वाराणसी में कांग्रेस नेता प्रो अनिल कुमार उपाध्याय बोले पुर्नविचार कर कैंट से मुझे उम्मीदवार घोषित करें

वाराणसी। कांग्रेस पार्टी का जनपद की छह विधानसभा सीटों

पर गुरुवार को टिकट वितरण को लेकर विरोध के स्वर थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर अनिल कुमार उपाध्याय ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को खुला पत्र जारी कर पार्टी से अनुरोध किया कि कि वह एक बार पुनः विचार करे और कैंट विधानसभा क्षेत्र से उन्हें प्रत्याशी घोषित करें। को पराड़कर भवन में मीडिया से बात करते हुए कहा कि कैंट विधानसभा में टिकट वितरण में अनियमितता हुई है। मैं कई दशकों से कांग्रेस में निस्वार्थ भाव से समर्पित कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहा हूं। 1980 से 82 में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन वाराणसी का जिला अध्यक्ष, 1989 से1993 तक महानगर कांग्रेस उपाध्यक्ष, 2012 से 2017 तक पीसीसी सदस्य और महात्मा काशी विद्यापीठ में तीन बार 10 वर्षों तक अध्यापक संघ का अध्यक्ष रहा।

आजमगढ़ में स्कूल जा रहे बच्चों की नाव नदी में पलटी तो शकील ने जनसहयोग से बनवा दिए चार पुल

आजमगढ़ । पांचवीं तक पढ़े एक शख्स ने जज्बे और जुनून के दम पर जनसहयोग से चार पुल बनवा दिए ताकि छोटे बच्चे अपना

जीवन खतरे में डाले बगैर पढ़ने के लिए स्कूल जा सकें और दिनभर कड़ी मेहनत के बाद गांव वालों की घर लौटने की राह थोड़ी आसान हो जाए। आजमगढ़ के मिर्जापुर ब्लाक के तोवा गांव के रहने वाले शकील 'पुल वाले' ने शासन-प्रशासन की सहायता के बिना जनसहयोग से यह काम कर दिखाया है। हादसे के बाद आया विचार शकील के इस असाधारण सफर की शुरुआत 1980 में एक हादसे से हुई थी। पढे के लिए मदरसा जा रहे दस बच्चों से भरी एक नाव तोवा गांव के समीप तमसा (टोंस) नदी में डूब गई। हादसे में दस वर्षीय सैफुल्ला की मौत ने शकील को झकझोर कर रख दिया। नदी पर पुल बनाने की जो जिम्मेदारी तीन दशक पहले उठाई थी, उसे आज भी कंधे पर लिए शकील बढ़ते जा रहे हैं। फिलहाल तमसा और कुंवर नदी पर एक साथ दो सेतु बनाने के दायित्व निर्वहन को संकल्पबद्ध शकील के बनाए पुल दो लाख से ज्यादा लोगों का आवागमन सुगम करते हैं। आसान नहीं थी राह 1982 में शकील ने जनसहयोग से पहला पुल बनवाया था। जब वह चंदा मांगने जाते तो लोग उन्हें शक की निगाह से देखते। मदद के लिए वह मुंबई, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा से लेकर दुबई तक गए, जहां बड़ी संख्या में आजमगढ़ के लोग कामकाज करते हैं। इसी बीच गुजरात के वापी में उनकी मुलाकात आजमगढ़ के रहने वाले हाजी इसरारुल से हुई। शकील से नाव दुर्घटना की कहानी सुनकर इसरारुल ने 35 लाख की मदद देकर हौसला बढ़ाया और पुल का शिलान्यास भी किया। गांव वाले भी हरसंभव मदद करने लगे। और कुछ नहीं तो श्रमदान ही करते। और बन गए शकील पुल वाले : लगभग एक साल में 42 मीटर लंबा यह पुल बनकर तैयार हो गया।

अहमदाबाद सीरियल धमाके में दो को सजा, आजमगढ़ के चार युवक थे आरोपित, मो. शाकिब को मिली रिहाई

आजमगढ़ । वर्ष 2008 में अहमदाबाद में हुए सीरियल धमाका मामले में करीब दो दशक बाद आठ फरवरी को आए फैसले के बाद दोषमुक्त साबित हुए दो लोगों में एक मोहम्मद हबीब बुधवार रात साबरमती जेल से छूट गए, जबकि दूसरा मो. शाकिब को दूसरे मामले में आरोपित होने के कारण जेल में ही रहना पड़ेगा। इसी मामले में गुनहगार साबित हुए दो लोगों को 11 फरवरी को सजा सुनाई जाएगी। 26 जुलाई 2008 को सीरियल ब्लास्ट में 56 लोग मारे गए थे। आठ फरवरी को फैसला आने के बाद दोष सिद्ध लोगों के परिवार में सन्नाटा पसर गया। परिवार के लोग कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। हालांकि दोषमुक्त हुए परिवार से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि 11 फरवरी को सजा दी जाएगी। अहमदाबाद के विशेष अदालत में विस्फोट मामले की सुनवाई चल रही थी। प्रकरण में 77 आरोपितों में 49 को कोर्ट ने दोषी ठहराया है। इनमें आजमगढ़ के मुफ्ती अबुल बशर निवासी बीनापारा, सरायमीर आरिफ बदर निवासी इसरौली सरायमीर, मोहम्मद हबीब निवासी

बारी खास, निजामाबाद मोहम्मद साकिब निवासी शाहपुर मंदुरी व हाल मुकाम दिल्ली को आरोपित बनाया गया था कोर्ट ने मोहम्मद हबीब और मोहम्मद साकिब को दोषमुक्त करार दिया गया तो हबीब साबरमती जेल से छूट गए, जबकि फैसले में दोषी करार दिए गए मुफ्ती अबुल बशर निवासी बीनापारा, सरायमीर और आरिफ बदर निवासी इसरौली सरायमीर को कोर्ट सजा सुनाएगी। मोहम्मद हबीब को पुलिस ने केरला में हुए विस्फोट में भी आरोपित बनाया था, जिसमें पांच साल पूर्व बरी हो गए थे। मो. हबीब निजामाबाद थाना क्षेत्र के बारी खास गांव के पूर्व प्रधान राशिद के भाई हैं। राशिद ने बताया कि नौ फरवरी की रात 10 बजे अहमदाबाद के साबरमती जेल से मेरा भाई छूट गया। उनकी रिहाई से परिवार में ईद, बकरीद सरीखी खुशियां हैं।

पहले दिन किसी ने नहीं किया नामांकन, चाक चौबंद रही सुरक्षा

सोनभद्र । जिले की चारों विधानसभा सीटों के लिए नामांकन की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई। पहले दिन किसी ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया लेकिन 18 लोगों ने नामांकन पत्र खरीदे। इस दौरान वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग से कलेक्ट्रेट तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। जिलाधिकारी टीके शिबू व

एसपी अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने नामांकन केंद्रों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने विधानसभा घोरावल नामांकन कक्ष का जायजा लिया। उन्होंने रिटर्निंग आफिसर एसडीएम घोरावल रमेश कुमार से उम्मीदवारों की ओर से लिए गए नामांकन पत्र के संबंध में जानकारी ली। एसडीएम घोरावल ने बताया कि आज उम्मदीवारों ने 10 नामांकन लिया गया। इसी प्रकार से रिटर्निंग आफिसर उप जिलाधिकारी राबर्ट्सगंज राजेश कुमार सिंह ने 4, रिटर्निंग आफिसर/उप जिलाधिकारी ओबरा जैनेंद्र सिंह द्वारा 2, रिटर्निंग आफिसर/उप जिलाधिकारी दुद्धी प्रमोद तिवारी ने 2 नामांकन पत्र खरीदे जाने की जानकारी दी। डीएम ने सीसीटीवी कैमरे की संचालन व्यवस्था व कलेक्ट्रेट परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था के लिए बैरेकेटिग के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान परिसर की साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर ढंग से न होने पर नाजिर कलेक्ट्रेट को निर्देशित किया।नामांकन कक्षों के बाहर लगे पुलिस कर्मियों से भी डीएम ने सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की। डीएम ने बताया कि गुरुवार को पहले दिन किसी भी उम्मीदवार ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया है। तैनात रही ट्रैफिक पुलिस नामांकन की प्रक्रिया के दौरान कलेक्ट्रेट मोड़ स्थित वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर जाम न लगे, इसके लिए यातायात पुलिस तैनात की गई थी। यातायात उप निरीक्षक राजेश कुमार सिंह हमराहियों के साथ मौके पर डटे रहे और रूक रहे वाहनों को वहां से हटाते रहे ताकि जाम न लगे। उधर एएसपी मुख्यालय के नेतृत्व में भारी संख्या में फोर्स लगी रही।

मताधिकार का प्रयोग करने के लिए दिलाई गई शपथ

सोनभद्र। विधानसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मताधिकार का प्रयोग करने के लिए गुरुवार को लोगों को शपथ दिलाई गई। अधिक से अधिक लोग मतदान करने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। इसको लेकर प्रशासन के साथ ही विभिन्न संगठन मतदाता जागरूकता अभियान चला रहे हैं। सदर ब्लाक के उरमौरा गांव में फिटनेस मंत्रा हेल्थ क्लब की ओर से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें क्लब के कोच आरएस पांडेय ने लोगों को मतदान की शपथ दिलाई। लोगों से अपील की कि वे अधिक से अधिक लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करें ताकि मत प्रतिशत बढ़ सके। कहा कि लोकतंत्र में मतदान बहुत बड़ा हथियार होने के साथ ही बड़ा अधिकार भी है। इसका प्रयोग कर

देश को सशक्त करने वाली सरकार बनाई जा सकती है। इस मौके पर प्रांजलि सिंह, काजल, वंदना, लाल बहादुर, प्रशांत, सुनील, मनीष, सूर्यभान सिंह, राहुल, शोएब खां, अनुज आदि मौजूद रहे।

सेंध लगाकर 60 हजार नकद सहित लाखों के मोबाइल पार

कछवां (मीरजापुर) । क्षेत्र के परेड वार्ड स्थित बैंक आफ बड़ौदा के सामने स्थित मोबाइल की दुकान में बुधवार की रात छत के रास्ते चोर 60 हजार रुपये नकदी समेत 15 महंगे एंड्रायड मोबाइल व एक लैपटाप को पार कर दिए। चोरी की घटना को अंजाम देने के दौरान आरोपित सीसी कैमरे में कैद हो गए। दूसरे दिन जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। कछवां निवासी सुभाष विश्वकर्मा परेड वार्ड स्थित बैंक आफ बड़ौदा के सामने किराए के कमरे में मोबाइल की दुकान खोल रखी है। रोज की तरह बुधवार की रात दुकान बंद कर वह अपने घर चला गया। दूसरे दिन सुबह जब दुकान का शटर खोला तो अंदर का नजारा देख अवाक रह गया। रैंक में रखे सारे एंड्रायड मोबाइल व लैपटाप तथा कैश काउंटर में रखे नकदी चोर उड़ा ले गए थे। चोर किसी तरह छच पर चढ़े। वहां सीढ़ी बंद किए पटिया को तोड़ नीचे उतर गए।

धोखाधड़ी कर निकाले गए एक लाख 13 हजार खाते में वापस

सोनभद्र। साइबर अपराधी सक्रिय हैं और लोगों के खाते से आनलाइन रुपये निकाल रहे हैं। इससे लोग परेशान हैं। लोगों की शिकायत पर पुलिस विभाग ने इसे गंभीरता से लिया है। विभाग के साइबर सेल ने कार्रवाई करते हुए चार लोगों के खाते से धोखाधड़ी से आनलाइन उड़ाए गए 1,13,998 रुपये को शिकायतकर्ताओं के बैंक खातों में वापस करा दिए। रुपये खाते में आने से संबंधितों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता संजीव कुमार पुत्र सदानंद सिंह निवासी ग्राम मंगुराही, थाना राब?टर्सगंज, कौशल किशोर पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम हीराचक, थाना विढमगंज, हरिलाल पुत्र बैजनाथ निवासी ग्राम रेणुसागर, थाना अनपरा, कृष्णकांत पुत्र लाल बहादुर निवासी ग्राम घिवही, थाना विढमगंज ने शिकायत की थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने काल कर उनसे उनके बैंक खाते से रुपये निकाल लिया। संजीव का 40,000 रुपये, कौशल किशोर का 9,998 रुपये, हरिलाल का 44,000 रुपये व कृष्णकांत के 20,000 रुपये, कुल 1,13,998 रुपये की धोखाधड़ी कर ली गई थी। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने मामले की जांच कराने की जिम्मेदारी साइबर सेल को सौंपी। उन्होंने साइबर सेल की टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। इस पर प्रभारी साइबर सेल निरीक्षक संजीव कुमार यादव, उप निरीक्षक सरोजमा सिंह, आरक्षी अभिषेक तिवारी व आरक्षी शैलेंद्र कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुये संबंधित बैंक कैश फ्री, ईजीबुज से संपर्क कर मामले का राजफाश किया। इसके साथ ही साइबर टीम ने धोखाधड़ी कर निकाले कुल 1,13,998 रुपये को शिकायतकर्ताओं के खातों में वापस कराया गया। शिकायतकर्ताओं ने इस पर खुशी जाहिर करते हुए पुलिस के कार्य की प्रशंसा किया।

आर्थिक तंगी व गृह कलह से क्षुब्ध युवक ने दी जान

चुनार (मीरजापुर) । कोतवाली अंतर्गत पीरवाजी शहीद मोहल्ले में आर्थिक तंगी व गृह कलह से तंग युवक ने शुक्रवार को फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के समय मृतक की पत्नी घर से बाहर गई हुई थी। वापस लौटी तो छत पर लगे पंखे की कड़ी में साड़ी के सहारे पति को फांसी पर लटकता देख पत्नी स्तब्ध रह गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अंत्यपरीक्षण के लिए भेजा। क्षेत्र के सद्दूपुर गुरुद्वारा गली निवासी रविशंकर पटवा (32) पुत्र राजेंद्र प्रसाद पटवा ने करीब नौ वर्ष पूर्व चुनार के बेलवीर निवासिनी रानी देवी के साथ प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद से ही पति-पत्नी पुणे महाराष्ट्र में रहकर गुजर-बसर करते थे। दोनों को एक आठ वर्ष की पुत्री एंजल व एक तीन वर्ष का पुत्र श्रेयस है। मृतक की पत्नी रानी ने बताया कि करीब सात माह पूर्व उसके ससुर की तबीयत खराब थी। उन्होंने संदेश भेजकर दोनों को पुणे से चुनार बुला लिया। इसके बाद आए दिन घर में जेठ और ससुर से रविशंकर की कलह होने लगी। इससे आजिज आकर एक माह पूर्व दंपती ने पीरवाजी शहीद मोहल्ले में किराए पर कमरा ले लिया और वहीं रहने लगे। मृतका की पत्नी ने बताया कि पांच दिनों से उसके घर में बच्चों को खाने के लिए कुछ नहीं था। इसे लेकर रविशंकर काफी परेशान था। आर्थिक तंगी और गृह कलह से तंग आकर शुक्रवार की सुबह उसने पंखे के सहारे फांसी पर लटककर आत्महत्या कर ली।

मनबढ़ों ने पिता व पुत्र को पीटकर किया घायल

सोनभद्र। मनबढ़ों ने लाठी,डंडे और लोहे के राड से प्रहार कर पिता और पुत्र को घायल कर दिया। सूचना पर पहुंचे गोठानी के ग्राम पंचायत धरमू खरवार ने एंबुलेंस बुलाकर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन भेजा जहां घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। यह घटना जुगैल थानांतर्गत गोठानी में हुई। राजेंद्र पुत्र शोभनाथ मनरेगा संबंधी कार्य के लिए प्रधान धरमू खरवार के यहां गए थे। वापसी में गोठानी में चोपन-भरहरी मार्ग पर जाम लगा रहा। इस दौरान राजेंद्र ने सड़क पर गलत तरीके से खड़ी एक पिकअप को हटाने के लिए उसके चालक को कहा तो उसमें सवार लोग नाराज हो गए। उन लोगों ने उनकी जमकर पिटाई कर दी। पिटाई में उनके सिर सहित शरीर के कई हिस्सों में चोट लगी। इसके बाद पिकअप सवारों ने राजेंद्र को बगल में मौजूद एक दुकान में ले जाने का प्रयास किया।किसी तरह राजेंद्र उनके चंगुल से बच कर तत्काल किसी के मोबाइल से अपने पिता शोभनाथ को मामले की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे शोभनाथ ने जब हमलावरों से घटना के बारे में जानकारी के लिए पहुंचे तो आरोपितों ने उनकी जमकर पिटाई कर दी। घटना की सूचना गुरुवार को जुगैल पुलिस को दी गई है। आरोपितों की गोठानी में गल्ला की दुकान है।

जोरकहू पिकनिक स्पाट की खूबसूरती मोह रही सैलानियों का मन

महुली (सोनभद्र)। कोरोना संक्रमण का दौर अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है लेकिन दुद्धी ब्लाक क्षेत्र के जोरकहू पिकनिक स्पाट की खूबसूरती लोगों को अपनी ओर खींच रही है। प्रकृति की खूबसूरती देखने व पिकनिक मनाने के लिए हर रोज सैकड़ों की संख्या में यहां आ रहे हैं। प्रकृति ऐसे श्रृंगार करती है कि लोग खुद ही खिचे चले आते हैं। इसके बाद भी यह क्षेत्र उपेक्षित है। यहां पिकनिक स्पाट बनाने के बाद सैलानियों की संख्या बढ़ जाएगी। वादियों में सुकून के कुछ पल बिताने को आने-वाले सैलानियों से रोजगार भी बढ़ने की काफी संभावना है। जोरकहू पिकनिक स्पाट पर हर दिन सैकड़ों लोगों का पिकनिक मनाने व घूमने का सिलसिला जारी रहता है। पिकनिक मनाने के लिए लोगों ने मनपंसद जगहों की तलाश करते हुए जोरकहू पहुंचते हैं। जिले के प्रमुख पिकनिक स्पाट इस मौसम में लोगों को खूब भा रहा है। यहां की हरियाली, देशी-पक्षियों की चहचहाहट सैलानियों को लुभा रही है। कनहर नदी, जंगल व पहाड़ की खूबसूरत वादियां लोगों को काफी आकर्षित करती हैं। सुदूर जंगली क्षेत्र में स्थित कनहर नदी के किनारे दोनों तरफ पहाड़ियों के बीच से गुजरती है। जो नदी की खूबसूरती बढा देती है। पानी की अविरल धारा साल भर प्रवाहित होती है। यहां की वादियां काफी हसीन है। सुविधाओं का हालांकि घोर अभाव है। लेकिन दूर-दूर से लोग इस मौसम में पिकनिक मनाने खूब पहुंचते हैं। यहां सैकड़ों फीट ऊंची दोनों तरफ हरी-भरी पहाड़ी के बीचों-बीच बह रही नदी व नदी में बड़े-बड़े पत्थरों पर बैठ कर आनंद लेते हैं। यहां आसपास के क्षेत्र में जंगल व पहाड़ का फैलाव है। पहाड़ी इलाका होने के कारण यहां पर खेती नहीं हो पाती। लोगों को काम करने के लिए बाहर जाना पड़ता है। पिकनिक स्पाट बनाने के बाद यह समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी। सोनभद्र के पूर्व डीएम दिनेश कुमार ने जोरकहू में पिकनिक स्पाट बनाने के लिए प्रपोजल भी बनाया था। उनके स्थानांतरण के बाद ठंडे बस्ते में चला गया।

नीति आयोग ने सरकारी स्कूलों के लिए शुरू की राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

सोनभद्र। नीति आयोग ने भारती फाउंडेशन के साझेदारी में राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी (कानवोक) शुरू किया है। इसमें सरकारी स्कूलों, केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय, सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षक और प्रधानाध्यापक के अलावा निजी स्कूल जो ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हैं, उनके भी शिक्षक हिस्सा ले सकते हैं। इसमें प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 28 फरवरी निर्धारित की गई है। इस संगोष्ठी का उद्देश्य प्राथमिक स्तर पर बच्चों में शिक्षा को बढ़ावा देना है। इस संगोष्ठी में हिस्सा लेने वाले शिक्षकों को अनुसंधान का शीर्ष, सार-परिचय, अनुसंधान प्रश्न, कार्यप्रणाली (नमूना तकनीक और आकार सहित), प्रमुख निष्कर्ष और विश्लेषण, निष्कर्ष और सिफारिश देना होगा। शोध पत्र के लिए शब्द सीमा अधिकतम पांच हजार निर्धारित किया गया है। शिक्षकों को इसकी प्रस्तुति के लिए सात मिनट मिलेंगे। नीति आयोग के इस पहल का उद्देश्य सभी शिक्षकों, शिक्षाविदों, स्कूलों के प्रमुखों पर विशेष ध्यान देने के साथ शिक्षा प्रदान करने और इसकी गुणवत्ता को मजबूत करने में आने वाली चुनौतियों का समाधान करना है। इस मंच के माध्यम से, सरकारी स्कूलों के स्कूल शिक्षकों, प्रमुखों, प्राचार्यों और भारती फाउंडेशन नेटवर्क के शिक्षकों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के माध्यम से अनुसंधान-आधारित समाधानों का उपयोग करने और सीखने के परिणामों में सुधार के लिए जमीनी स्तर पर किए गए अपने प्रयासों को प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस कानवोक में प्रथम विजेता को 25 हजार रुपये, द्वितीय को 20 हजार व तृतीय को 15 हजार रुपये मिलेगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वह परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों को इसकी जानकारी देकर इसकी प्रवृष्टि कराएं।

खनिज बैरियर पर जबरन ट्रक पास कराने के आरोप में चार पासर गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला सोनभद्र। स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के डाला बाड़ी स्थित दो नम्बर खनन जांच बैरियर संचालित हुआ जिसमे बिते मंगलवार को जनपद सिदूंरिया बग्गानाला व बारी डाला तीन खनन जांच बैरियर संचालित को लेकर जिलाधिकारी के निर्देश दिए हैं जिससे दौरान अवैध परिवहन को लगाम लगाया जा सके इस क्रम में पूर्व में भी ओवर लोड को लेकर खनन जांच बैरियर लगाया गया था जो लगभग तीन महीने ही खिंच तान कर चल सका पूर्व में जब बैरियर संचालन किया जा रहा था तो आए दिन स्थानीय व राहगीरों को जाम के वजह से काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जैसे ही मंगलवार को बैरियर संचालित हुआ वैसे ही कुछ सफ़ेद पोज सम्मानित लोग वं पासरो के द्वारा बैरियर का चक्कर काटते दिखने लगे। बुधवार की सुबह खनिज बैरियर पर जबरदस्ती ओवर लोड ट्रकों पार कराने का मामला प्रकाश में आने लगा जिसको लेकर खनिज लिपिक सोनभद्र कमला शंकर उपाध्याय पुत्र सूर्यप्रसाद उपाध्याय निवासी अनन्तराम पट्टी मीरजापुर ने चोपन थाना में तहरीर के माध्यम से सूचना दिया गया इस संबंध में चोपन थाना से मिली जानकारी के अनुसार तहरीर के आधार पर चोपन थाना में गोपाल केशरी उम्र 31 वर्ष पुत्र तुलसी केशरी निवासी मधूपुर, सतानन्द पाण्डेय उम्र 32 वर्ष पुत्र स्व0 हरीजी पाण्डेय निवासी न्यू कालोनी राबर्ट्सगंज, नाजमुद्दीन उम्र 22 वर्ष पुत्र मुस्लीम निवासी तकिया राबर्टसगंज अविनाश मालवीय उर्फ चंकी उम्र 36 वर्ष पुत्र देवानन्द मालवीय निवासी हाइड्रील कालोनी चोपन, 31 वर्षीय दीपक सिंह उम्र 31 वर्ष पुत्र स्व0 बच्चा सिंह निवासी सेवासदन डाला, गंगासागर उम्र 30 वर्ष पुत्र गोविन्द चौधरी निवासी नई बस्ती डाला समेत कुल दस अज्ञात लोग आकर मुख्य मार्ग पर खडी ट्रकों से अवैध वसुली कर जबरजस्ती वाहनों को पार कराने के विरुद्ध 47/22 धारा 147,149,186,353,386, आइपीएस व 3/4 लोक सम्पदा निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस अग्रीम कारवाई में जुटी । इसी क्रम में पुलिस अग्रीम कारवाई करते हुए बृहस्पतिवार सुबह ग्यारह बजे बसकटवा मोड़ पडवध से अभियुक्त गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। इस दौरान गिरफ्तारी में व03उनि0 कृष्ण अवतार सिंह हे0का0 सुरेंद्र प्रताप सिंह का0 अनुप चंद्र दुबे म0का0 बंदना सामिल रहीं

अनियंत्रित होकर कार पलटी एक घायल तीन लोग बचे बाल बाल

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला(सोनभद्र)। चोपन थाना क्षेत्र के आज जवारी डांड में शुक्रवार को कार के अनियंत्रित होकर पलटने से कार सवार एक घायल।तीन लोग बाल-बाल सुरक्षित बच गए। घटना के सम्बंध में मिली जानकारी के मुताबिक डब्बू श्रीवास्तव निवासी चोपन अपने कार द्वारा परिवार संग हाथीनाला क्षेत्र से चोपन की ओर आ रहा था।तभी अचानक जवारी डांड में कार अनियंत्रित होकर पलट गई।जिसमें डब्बू श्रीवास्तव घायल हो गए।जिन्हें एम्बुलेंस द्वारा चोपन सीएचसी ले जाया गया।जबकि कार में साथ बैठे उनकी पतनी पूजा श्रीवास्तव व दोनो बच्चे बाल-बाल सुरक्षित बच गए।

जनपद के तेरह सेंटरों पर 15696 लोगों को लगा कोरोना टीका

मीरजापुर । जनपद के तेरह सेंटरों पर गुरुवार को कर्मचारियों समेत कुल 15696 लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया। टीकाकरण के दौरान किसी को कोई परेशानी नहीं होने पर घर भेज दिया गया। 15 से 17 वर्ष के बीच के किशोरों ने टीकाकरण में बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. नीलेश कुमार श्रीवास्तव ने बचे हुए लोगों से तत्काल अपना टीकाकरण करा लेने की अपील की। बताया कि इस समय विधानसभा चुनाव चल रहा है। ऐसे में जिन कर्मचारियों की ड्.यटी चुनाव में लगी हैं उनको बुस्टर डोज लगाया जा रहा है, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं उठानी पड़े।

संशोधित कड़ी सुरक्षा के बीच पहले दिन एक नामांकन

मीरजापुर । कड़ी सुरक्षा के बीच विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन के प्रथम दिन गुरुवार को पांच विधानसभा के कुल 25 उम्मीदवारों ने नामाकंन पत्र खरीदा। वहीं मझवां विधानसभा 397 से

बसपा उम्मीदवार पुष्पलता बिद ने नामाकंन किया तो लोक जनशक्ति पार्टी से अर्चना मिश्रा ने नामाकंन पत्र खरीदा। नामाकंन कक्ष में रिटर्निंग आफिसरों ने नामाकंन प्रपत्र व नामाकंन की कार्यवाही सुनिश्चित कराई। सात मार्च को सातवें चरण में मीरजापुर में विधानसभा चुनाव होना है। चुनाव को लेकर सियासी बाजार गर्म है। अब तो नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। चुनाव को लेकर हर किसी की निगाहें पाटिर्यों के प्रत्याशियों पर टिकी है। गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित नामांकन कक्ष में मीरजापुर के पांचों विधानसभा से विभिन्न पार्टियों के कुल 25 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र खरीदा। विधानसभा चुनाव के लिए क्षेत्र को 21 जोन और 145 सेक्टर में विभाजित किया गया है। 2268 मतदेय स्थल, 1336 मतदान केंद्र बूथ बनाए गए हैं। इस वर्ष 80 मतदान केंद्र और 179 मतदेय स्थल अर्थात बूथों में बढ़ोत्तरी हुई है। जिले के कुल 18,91,042 मतदाता चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशियों का भाग्य सवारेंगे। इसमें 992400 पुरुष और 898512 महिला मतदाता हैं। साथ ही 130 थर्ड जेंडर मतदाता भी मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

कोटा में बनेगा 600 करोड़ की लागत से एसीसी प्लाट

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला सोनभद्र। चोपन विकासखंड के कोटा ग्राम पंचायत में आज शुक्रवार को 600 करोड़ की लागत से कोटा ग्राम पंचायत के सलाईबनवा में एसीसी सीमेन्ट फैक्ट्री का निर्माण किया जाएगा।जिसके लिए शुक्रवार को प्राथमिक विद्यालय कोटा के प्रांगण में अपर जिलाधिकारी आशुतोष कुमार दूबे व उ0प्र0प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी

डा0टी.एन.सिंह के मौजूदगी में लोकसुनवाई का आयोजन किया गया।फैक्ट्री निर्माण किए जाने को लेकर क्षेत्रीय ग्रामीणो ने सहमति जताते हुए प्रसनन्ता ब्यक्त किया ।चोपन ब्लाक के कोटा ग्राम पंचायत के सलाइबनवा में 32.6 हेक्टेयर भूमि पर 600 करोड़ की लागत से मेसर्स एसीसी लिमिटेड की प्रस्तावित स्टैंडअलोन ग्राइंडिंग यूनिट सीमेन्ट फैक्ट्री और डी.जी.सेट 250 केवीए के साथ ही रेलवे साइडिंग की स्थापना किया जाएगा।जिसके लिए लोकसुनवाई का आयोजन किया गया।जिसकी जानकारी एसीसी सीमेन्ट के प्रोजेक्ट सलाकार डा0एस.बी.सिंह ने देते हुए बताया कि स्थापित होने वाला ग्राइडिंग यूनिट सीमेन्ट फैक्ट्री की उत्पादन क्षमता प्रति वर्ष 03 मिलियन टन होगा अर्थात ड्राई यूनिट से प्रतिमाह 250 लाख टन सीमेन्ट का उत्पादन होगा।जिसके लिए भूमि का अधिग्रहण कार्य पुरा हो गया है।यूनिट का संचालन 250 कर्मचारीयों द्वारा किया जाएगा।इसके अलावा लगभग 2000 कर्मचारी यों को फैक्ट्री में रोजगार मिलेगा जो स्थानीय क्षेत्र के लोग सामिल होगे।कंपनी के स्थापित होने से क्षेत्र सामाजिक-आर्थिक रूप से विकास होगा।सीएसआर द्वारा रोजगार बढ़ाने जहाँ शिक्षा,चिकित्सा,स्वास्थ्य,खेल,पेयजल आदि का ब्यवस्था किया जाएगा।पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम को लेकर आधुनिक तकनिकी वाला बैग हाऊस लगाया जाएगा।कारखाना के चारो तरफ ग्रीन बेल्ट स्थापित किया जाएगा।उन्होने कहा कि पावर परियोजना से बड़े पैमाने पर निकलने वाला राखड़ का उपयोग एसीसी सीमेन्ट यूनिट द्वारा किया जाएगा।जो सीमेन्ट उत्पादन के साथ ही इससे टाईल्स आदि बनाया जाएगा। ग्राम प्रधान कोटा प्रहलाद चेरो,पनारी प्रधान प्रतिनिधि लक्ष्मण यादव,मनीष तिवारी,दीपू शर्मा,ललू दूबे,मंगला कुमार,रामधनी,कामरेड कलीम,इन्द्रेश उपाध्याय आदि लोगो ने कहा कि क्षेत्र में लग रहा एसीसी सीमेन्ट यूनिट से लोगो को बहुत सी आशा जुड़ी है।एक तो फैक्ट्री में स्थानींय क्षेत्र के लोगो को ही नौकरी-रोजगार में प्राथमिकता दिया जाए।दूसरा पर्यावरण प्रदूषण पर पूर्णतया नियंत्रण रहे।सीएसआर का पुरा उपयोग क्षेत्र के आर्थिक-सामाजिक विकास पर खर्च हो।इस अवसर पर लोकसुनवाई के दौरान एसीसी सीमेन्ट के रविन्द्र दूबे,अखिलेश गुप्त के अभिराम प्रवीण कुमार,अभिषेक भट्टाचार्या,समीर शर्मा,पी.श्रीनिवास राजू।सीमेन्ट यूनिट के कर्मचारियों लोग मौजूद रहे

अजिंक्य रहाणे ने अपनी खराब फार्म के लिए ँण्घ् को जिम्मेदार ठहराया और बताया इसका कारण

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे अपनी लगातार खराब फार्म की वजह से आलोचना झेल रहे हैं। अपनी फार्म में वापसी करने के लिए वो अपनी टीम मुंबई की तरफ से इस रणजी सीजन में खेलेंगे। रहाणे की कोशिश होगी कि वो इस घरेलू टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करके फिर से भारतीय टेस्ट टीम में वापसी करें। रहाणे पहले टेस्ट टीम के उप कप्तान भी थे, लेकिन साउथ अफ्रीका दौरे से पहले उन्हें इस पद से हटा दिया गया था और अब ऐसी खबरें भी सामने आई कि श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए उन्हें टीम में नहीं चुना जाएगा और इसके बारे में बीसीसीआइ ने उन्हें जानकारी दे दी है अजिंक्य

रहाणे का फार्म टेस्ट क्रिकेट में क्यों खराब हुआ इसके बारे में उन्होंने पहली बार खुलकर बताया। रहाणे ने कहा कि सच्चाई ये है कि जब आप पिछले 2-3 साल के लगातार सिर्फ क्रिकेट के एक ही प्रारूप (टेस्ट क्रिकेट) में खेल रहे हैं और रणजी क्रिकेट और अन्य घरेलू टूर्नामेंट का आयोजन नहीं किया गया। ऐसी स्थिति में आप घर में बैठकर किस तरह से रन बना सकते हैं और इस बात को ध्यान में रखा जाना चाहिए। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितनी प्रैक्टिस कर रहे हैं और कितने नेट सेशन में हिस्सा ले रहे हैं। इन सबसे आत्मविश्वास हासिल नहीं किया जा सकता है। आत्मविश्वास गेम टाइम में और मैच में रन बनाने से आता है। पिछले दो साल से कोविड की वजह से घरेलू क्रिकेट का आयोजन नहीं किया गया था और रहाणे ने अपनी फार्म के लिए इसे जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने ये भी साफ किया कि बिना रेड बाल क्रिकेट खेले (घरेलू टूर्नामेंट) आप किस तरह से टेस्ट के लिए अपनी फार्म को बरकरार रख पाएंगे। जाहिर है रहाणे ने अपनी खराब फार्म के लिए सीधे तौर बोर्ड को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं इससे पहले सौरव गांगुली ने भी रहाणे और पुजारा से कहा था कि वो घरेलू क्रिकेट में कुछ रन बनाएं जो उनके लिए अच्छा रहेगा।

भज्जी बोले- 30 गेंदों पर 70-80 रन बना सकता है यह खिलाड़ी, काफी महंगा बिकेगा

नई दिल्ली। आइपीएल 2022 से पहले शनिवार और रविवार को मेगा आक्शन होना है। कुल 590 खिलाड़ी आक्शन पूल में हैं, जिनके लिए सभी 10 आइपीएल फ्रेंचाइजी बोली लगाएंगी। इस बीच कौन सा खिलाड़ी कितने में बिकेगा। कौन नहीं बिकेगा। कौन महंगा रहा

सकता है। इसे लेकर तमाम कयास लगाए जा रहे हैं। इस बीच टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन उन खिलडियों में से एक होंगे, जो काफी महंगे बिकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बाएं हाथ का यह बल्लेबाज भविष्य में बड़ा क्रिकेटर बनकर उभरेगा। इशान किशन को लेकर हरभजन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं इशान किशन का फैन हूं। वह अपनी क्षमता पर किसी भी दिन 30 गेंदों पर 70-80 रन बनाकर टीम को मैच जीता सकते हैं। वह आने वाले समय में बहुत बड़े खिलाड़ी बनेंगे। अगर उनके जैसा खिलाड़ी किसी टीम में जाता है तो उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। जैसे-जैसे वह बड़े होते जाएंगे, जिम्मेदारियों के साथ वह और भी परिपक्व होते जाएंगे। वह पहले से ही झारखंड की कप्तानी कर रहे हैं। नीलामी में आरसीबी निश्चित रूप से इशान किशन को टारगेट करेगी। हालांकि, यह कठिन होगा क्योंकि नीलामी में कई टीमें उन्हें खरीदना चाहेगी।' बता दें कि इशान किशन आइपीएल 2021 तक मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम के लिए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और कई मैचों में जीत दिलाई। इसके बाद भी मेगा आक्शन से पहले टीम ने उन्हें रीटेन नहीं किया। रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, कीरोन पोलार्ड और सूर्यकुमार यादव को टीम ने रीटेन किया है। आइपीएल 2022 इस साल मार्च के अंत में शुरू होगा और फाइनल मई में खेला जाएगा। बीसीसीआइ सचिव जय शाह पहले ही इसकी पुष्टि कर चुके हैं। इस बार दो नई टीमें लखनऊ सुपरजाइंट्स और गुजरात टाइटंस भी नजर आएंगी। लखनऊ ने केएल राहुल और गुजरात ने हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया है।

पोलार्ड गुमशुदा जानकारी मिलने पर पुलिस को करें रिपोर्ट, ड्वेन ब्रावो का इंस्टाग्राम पर पोस्ट

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के कप्तान कीरोन पोलार्ड टीम इंडिया के खिलाफ पहले वनडे मैच में पहले ही गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौट गए थे। लेग स्पिनर युजवेंद्रा

चहल ने उन्हें बोल्ड कर दिया था। चोटिल होने के कारण वह दूसरे वनडे में नहीं खेले। अभी यह साफ नहीं है कि वह तीसरे वनडे में वह खेलेंगे या नहीं। इस बीच पूर्व क्रिकेटर ड्वेन ब्रावो ने अपने दोस्त और विंडीज टीम के कप्तान को लेकर इंस्टाग्राम पर एक मजाकिया पोस्ट किया है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले ड्वेन ब्रावो ने पोलार्ड की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें उन्हें गुमशुदा बताया है। साथ ही लिखा है कि आखिरी बार वेस्टइंडीज के कप्तान को चहल के पाकेट में देखा गया था। उन्होंने यह भी लिखा, 'यह वास्तव में एक दुखद दिन है कीरोन पोलार्ड मेरे सबसे अच्छे दोस्त गायब हैं। अगर आपके पास कोई जानकारी है तो कृपया मुझे इनबाक्स करें या पुलिस को रिपोर्ट करें।' इस पोस्ट पर कई क्रिकेटरों ने प्रतिक्रिया दी है। धवल कुलकर्णी, फिडेल एडवर्ड्स और डैरेन सैमी सहित कई वर्तमान और पूर्व क्रिकेटरों ने इस पोस्ट पर रिएक्शन दिया है। बता दें कि अभी यह साफ नहीं है कि पोलार्ड शुक्रवार को भारत के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच के लिए विंडीज की प्लेइंग इलेवन में वापसी के लिए फिट हैं या नहीं। टीम इंडिया तीन मैचों की वनडे सीरीज को 2-0 से पहले ही अपने नाम कर चुकी है। ऐसे में हो सकता है कि वह तीसरा वनडे मैच भी न खेलें। दोनों टीमों के 16 फरवरी से 3 मैचों की टी20 सीरीज भी खेलनी है। ऐसे में वेस्टइंडीज के लिए यह बेहतर होगा कि वह अपने कप्तान को इस सीरीज के लिए पूरी तरह से तैयार रखे। अगर पोलार्ड तीसरे वनडे में भी नहीं खेल पाते हैं, तो निकोलस पूरन से कप्तान की भूमिका निभाते नजर आएंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज ने दूसरे वनडे में भी ऐसा किया था। वेस्टइंडीज 2019 वनडे विश्व कप के बाद से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। आइसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2021 में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में देखना होगा कि पोलार्ड की टीम कितनी जल्दी फार्म हासिल कर पाती है।

विराट कोहली के समर्थन में उतरे सुनील गावस्कर, बोले- मत भूलिए अफ्रीका दौरा, फार्म नहीं है खराब

नई दिल्ली। विराट कोहली की फार्म सवालों के घेरे में है। ऐसे में पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले उनके बचाव में उतर आए हैं। उन्होंने कहा कि उनका फार्म खराब नहीं है। किस्मत में अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले और दूसरे वनडे में खराब प्रदर्शन किया। पहले मैच में 4 गेंदों में 8 रन बनाने के बाद 33 वर्षीय क्रिकेटर दूसरे वनडे में 30 गेंदों में केवल 18 रन ही बना सका।

उनका साथ नहीं दे रही है। दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद पूर्व भारतीय कप्तान कोहली कीरोन पोलार्ड की अगुवाई वाली वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज ऐसे में गावस्कर ने पूर्व भारतीय कप्तान का बचाव किया है। वेस्टइंडीज और भारत के बीच तीसरे वनडे से पहले स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'कोहली को रन बनाने के लिए थोड़ी किस्मत की जरूरत है। हर बल्लेबाज को थोड़ी किस्मत की जरूरत होती है। हर बल्लेबाज को एक ऐसी स्थिति की जरूरत होती है जहां वह खेलता है और गेंद बल्ले का किनारा लेने से चूक जाती है। गेंद बल्ले का किनारा ले और कैच छूट जाए या फील्डर से आगे गिर जाए। सुनील गावस्कर ने कोहली के आलोचकों को भी याद दिलाया कि पूर्व कप्तान ने दक्षिण अफ्रीका दौरे में दो अर्धशतक जड़े थे। गावस्कर ने कहा, 'पिछले कई मैचों में उनकी किस्मत अच्छी नहीं रही। मत भूलिए कि उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में अर्धशतक जमाया था।' तौरतलब है कि कोहली 2019 के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाने में विफल रहे हैं। उन्होंने भारत के लिए अपने पिछले 5 एकदिवसीय मैचों में 142 रन बनाए हैं। विंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज की बात करें तो रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम 2-0 से आगे है। सीरीज का आखिरी वनडे मैच आज खेला जाएगा।

भारत- वेस्टइंडीज के बीच टी 20 सीरीज से पहले कैब ने बीसीसीआइ से किया ये अनुरोध

कोलकाता । बंगाल क्रिकेट संघ ने गुरुवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए ईडन गार्डन्स में दर्शकों को अनुमति देने का अनुरोध किया। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 16 फरवरी से यहां तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आयोजन अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में बगैर दर्शकों के हुआ है। दो वनडे मैच खेले जा चुके हैं। वहीं आखिरी वनडे आज है। कैब ने अपने बयान में कहा, 'भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी से जुड़े मामले पर चर्चा हुई। सदस्यों को बताया गया कि कैब ने बीसीसीआइ से अनुरोध किया है कि आयोजन स्थल पर दर्शकों को अनुमति दी जाए। बीसीसीआइ की प्रतिक्रिया का इंतजार है। कैब को अब भी सकारात्मक नतीजे की उम्मीद है। को जल्द से जल्द डीएमएक्स सुविधा के साथ स्थापित करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, फर्स्ट और सेकेंड डिवीजन दोनों के लिए आगामी लीग टूर्नामेंट के लिए फिक्स्चर और टूर्नामेंट नियमों को सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया गया और यह निर्णय लिया गया था कि फिक्स्चर तुरंत जारी किए जा सकते हैं। राज्य सरकार

तीसरे वनडे से पहले टीम इंडिया के ओपनर फिट, कोरोना को मात देकर क्वारंटाइन से बाहर आए

अहमदाबाद। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला शुक्रवार 11 फरवरी को खेला जाना है। इस मैच से पहले भारत के लिए खुशी की खबर आई है। भारतीय टीम के ओपनर रुतुराज गायकवाड़ जो पहले मुकाबले से पहले कोरोना संक्रमित पाए गए थे अब फिट हो चुके हैं। सीरीज की शुरुआत से पहले ही शिखर धवन, श्रेयस अय्यर के साथ कुल चार खिलाडि़यों को कोरोना संक्रमित पाया गया था। कोविड-19 पाजिटिव पाए गए भारतीय बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ अब इस वायरस से उबर चुके हैं और क्वारंटाइन से बाहर आ गए हैं। हालांकि, कप्तान रोहित शर्मा पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि सीनियर सलामी बल्लेबाज शिखर धवन वेस्टइंडीज के खिलाफ शुक्रवार को तीसरे वनडे में पारी का आगाज करेंगे, जिससे महाराष्ट्र के इस खिलाड़ी के इस मैच में उतारे जाने की संभावना नहीं है। रुतुराज न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज में भी बेंच पर रहे थे और उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसकी सरजमीं पर हुई वनडे सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला था। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के शुरू होने से महज चार दिन पहले कोविड-19 पाजिटिव पाया गया था जिससे वह व्यावहारिक रूप से सीरीज से बाहर हो गए थे। शामिल नहीं किया गया है और पूरी संभावना है कि वह अब आगामी रणजी ट्राफी में अपने घरेलू राज्य के लिए खेलेंगे।

रोहित शर्मा 5 और 14 रन बनाते ही तोड़ देंगे गांगुली और तेंदुलकर का यह बड़ा रिकार्ड, बन जाएंगे नंबर वन

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने फुलटाइम वनडे कप्तान के तौर पर वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले दो मैच जीतकर सीरीज अपने नाम कर ली है। अब दोनों देशों के बीच इस सीरीज का आखिरी और तीसरा

मुकाबला बुधवार को खेला जाएगा। इस मुकाबले में रोहित शर्मा के निशाने पर दो बड़े भारतीय दिग्गज सौरव गांगुली और सचिन तेंदुलकर का एक रिकार्ड होगा। रोहित शर्मा ने बतौर ओपनर वनडे क्रिकेट में वेस्टइंडीज के खिलाफ अब तक कुल 1011 रन बनाए हैं। वहीं इस टीम के खिलाफ भारतीय ओपनर के तौर पर वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में सचिन तेंदुलकर पहले नंबर पर हैं और उनके नाम पर 1024 रन दर्ज है तो वहीं दूसरे नंबर पर 1015 रन के साथ सौरव गांगुली मौजूद हैं। अब रोहित शर्मा वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में जैसे ही 5 रन बना लेंगे वो वैसे ही गांगुली के आगे निकल जाएंगे तो वहीं 14 रन बनाते ही तेंदुलकर को पीछे छोड़ देंगे। और कैरेबियाई टीम के खिलाफ भारतीय ओपनर के दौर पर वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में नंबर वन बन जाएंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ बतौर भारतीय ओपनर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीन भारतीय बल्लेबाज 1024 रन- सचिन तेंदुलकर 1015 रन- सौरव गांगुली 1011 रन- रोहित शर्मारोहित शर्मा का वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे रिकार्ड काफी अच्छा है। उन्होंने इस टीम के खिलाफ अब तक कुल 35 वनडे मैच खेले हैं और इसकी 33 पारियों में उन्होंने 58.81 की औसत से कुल 1588 रन बनाए हैं। उन्होंने इस टीम के खिलाफ 3 शतक और 12 अर्धशतक लगाये हैं। रोहित शर्मा का वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में बेस्ट व्यक्तिगत स्कोर 162 रन का है। भारत की तरफ से वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकार्ड विराट कोहली के नाम पर दर्ज है। उन्होंने इस टीम के खिलाफ 41 मैचों की 40 पारियों में 2261 रन बनाए हैं।

क्लीन स्वीप करने उतरेगी टीम इंडिया, टीवी पर व आनलाइन ऐसे लाइव देख सकेंगे तीसरा वनडे

नई दिल्ली। टीम इंडिया और वेस्टइंडीज के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का आखिरी मैच खेला जाएगा। रोहित शर्मा की अगुवाई टीम 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है। टीम की नजर क्लीन

स्वीप पर होगी। वहीं कीरोन पोलार्ड की अगुवाई वाली टीम सम्मान बचाने उतरेगी। हालांकि, वह पिछले मैच में नहीं खेले थे। उनकी जगह निकोलस पूरन कप्तान थे। विंडीज को बल्लेबाजी चिंता का विषय है। दोनों मैचों में बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं टीम इंडिया की बात करें तो टीम में शिखर धवन की वापसी होगी। कोरोना के कारण वह पिछले दो मैच नहीं खेल पाए थे। टीम इंडिया और वेस्टइंडीज के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का आखिरी मैच खेला जाएगा। रोहित शर्मा की अगुवाई टीम 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है। टीम की नजर क्लीन स्वीप पर होगी। वहीं कीरोन पोलार्ड की अगुवाई वाली टीम सम्मान बचाने उतरेगी। हालांकि, वह पिछले मैच में नहीं खेले थे। उनकी जगह निकोलस पूरन कप्तान थे। विंडीज को बल्लेबाजी चिंता का विषय है। दोनों मैचों में बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं टीम इंडिया की बात करें तो टीम में शिखर धवन की वापसी होगी। कोरोना के कारण वह पिछले दो मैच नहीं खेल पाए थे। सीरीज के आखिरी मैच से पहले जान लिजिए इससे जुड़ी अहम जानकारी। जानें कब और कहां खेला जाएगा यह मुकाबला। कैसे इसे आप टीवी पर और आनलाइन लाइव देख सकेंगे। टीम इंडिया और वेस्टइंडीज के बीच तीसरा वनडे मैच कब खेला जाएगा भारत बनाम वेस्टइंडीज के बीच तीसरा वनडे मैच शुक्रवार 11 फरवरी को खेला जाएगा। टीम इंडिया और वेस्टइंडीज के बीच तीसरा वनडे मैच कहां खेला जाएगा सीरीज के आखिरी मैच से पहले जान लिजिए इससे जुड़ी अहम जानकारी। जानें कब और कहां खेला जाएगा यह मुकाबला। कैसे इसे आप टीवी पर और आनलाइन लाइव देख सकेंगे। टीम इंडिया और वेस्टइंडीज के बीच तीसरा वनडे मैच कब खेला जाएगा भारत बनाम वेस्टइंडीज के बीच तीसरा वनडे मैच शुक्रवार 11 फरवरी को खेला जाएगा। टीम इंडिया और वेस्टइंडीज के बीच तीसरा वनडे मैच कहां खेला जाएगा।

राशिफल

मेष-: आज आपका रुझान अध्यात्म की ओर रहेगा। आप किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकते हैं।

वृष-: जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर उचित ध्यान और देखभाल की आवश्यकता है। आपकी अवास्तविक योजनाएं आपके पैसे को खत्म कर सकती हैं।

मिथुन-: आज अपने मन की शांति भंग न होने दें। अपने पार्टनर और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं। आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं

कर्क-: आज का दिन परिवार के साथ किसी फंक्शन में बीतेगा। घर में रिश्तेदार आते-जाते रहेंगे। आप राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

सिंह-: आपको अपना अतिरिक्त समय अपने शौक को पूरा करने या उन चीजों को करने में लगाना चाहिए जिन्हें करने में आपको सबसे ज्यादा मजा आता है।

कन्या-: आज आपको कड़ी मेहनत से नौकरी और व्यवसाय के कामों में सफलता मिलेगी। आज कार्यक्षेत्र में प्रतिकूल स्थिति रहेगी।

तुला-: आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज बाहर मौसम अच्छा रहने के कारण आपका सारा समय बाहर ही व्यतीत होगा।

वृश्चिक-: पेट के रोगों के मरीजों को तले और वसायुक्त भोजन से दूर रहने की जरूरत है। इससे उनकी परेशानी बढ़ सकती है। आर्थिक मामलों में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

धनु-: आज कोई कीमती सामान खोने का डर है। इसलिए अपना जरूरी सामान अपने पास रखें। छिपे हुए शत्रु आपके बारे में अफवाहें फैलाने के लिए अधीर होंगे।

मकर-: आज का दिन अच्छा रहेगा। आज ऑफिस में बॉस से किसी बात को लेकर डांट पड़ सकती है। ज्यादा गुस्सा करने से आपका काम बिगड़ सकता है।

कुंभ-: आपका मजबूत आत्मविश्वास और आज का आसान काम मिलकर आपको आराम करने का भरपूर समय देगा। मनोरंजन और सुंदरता बढ़ाने में ज्यादा समय न लगाएं।

मीन-: कार्यक्षेत्र में आज अचानक विवाद हो सकता है। भावुक होने से बचें। घर खरीदने या बनाने के मामले में अपने पार्टनर की राय को नजरआज आप जीवनसाथी के साथ भविष्य की योजनाएँ बनाएंगे।

250 पारियों के बाद वनडे में सबसे ज्यादा बाउंड्रीज लगाने वाले बल्लेबाज हैं कोहली

नई दिल्ली। विराट कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के लिए दूसरे टेस्ट मैच में 18 रन की पारी खेली और ओडियन स्मिथ की गेंद पर कैच आउट हो गए। विराट कोहली की ये 250वीं वनडे पारी थी और अपनी इस पारी में उन्होंने 3 चौके लगाए। 250 पारी के खेलने के बाद विराट कोहली अब वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा बाउंड्रीज लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में पहले नंबर

पर हैं। इसके अलावा वो 250 पारी के बाद वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में भी पहले स्थान पर हैं। विराट कोहली ने अब तक 259 वनडे मैचों की 250 पारियों में अब तक 1278 बाउंड्रीज यानी चौके व छक्के लगाए हैं। इनमें 1153 चौके व 125 छक्के शामिल हैं। इस मामले में दूसरे नंबर पर सहवाग हैं जिन्होंने 245 पारियों में 1268 बाउंड्रीज लगाए थे। 1213 बाउंड्रीज के साथ क्रिस गेल तीसरे नंबर पर जबकि 1167 बाउंड्रीज के साथ एडम गिलक्रिस्ट चौथे स्थान पर हैं। गांगुली 1109 चौके व छक्कों के साथ इस मामले में पांचवें नंबर पर हैं। 250 वनडे पारियों के बाद सबसे ज्यादा बाउंड्रीज लगाने वाले बल्लेबाज- 1278- विराट कोहली 1268- वीरेंद्र सहवाग (245 पारी) 1213- क्रिस गेल 1167- एडम गिलक्रिस्ट 1109- सौरव गांगुली वनडे क्रिकेट की 250 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने मामले में विराट कोहली 12,311 रन के साफ पहले नंबर पर हैं जबकि 9609 रन के साथ गांगुली दूसरे स्थान पर मौजूद हैं। तेंदुलकर ने 250 वनडे पारियों में 9607 रन बनाए थे और वो तीसरे नंबर पर हैं। पर जबकि लारा 9354 रन के साथ चौथे नंबर पर हैं।

सम्पादकीय

राजनीति के अपराधीकरण को रोकने के लिए दागी उम्मीदवारों पर शिकंजा कसने वाले मौजूदा उपाय पर्याप्त साबित नहीं हो रहे

राजनीतिक दल जिन दागियों को जिताऊ उम्मीदवार बताकर चुनाव मैदान में उतार देते हैं, उनके बचाव में वे न्याय शास्त्र के इस सिद्धांत की आड़ लेते हैं कि आरोपित जब तक न्यायालय से दोषी न करार दिया जाए, तब तक वह निर्देष ही माना जाए। यह दलील उन मामलों में भी दी जाती है जिनमें उम्मीदवार के संगीन अपराध में लिप्त होने का आरोप होता है। इसी दलील के कारण पांच राज्यों के चुनावों में दागी छवि वाले कई प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स के अनुसार उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले चरण में उतरे 25 प्रतिशत उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले हैं। इसका अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है कि पांच राज्यों में कुल कितने दागी उम्मीदवार चुनाव मैदान में होंगे। विडंबना यह है कि राजनीतिक असर रखने और आपराधिक इतिहास वाले नेताओं को मुश्किल से सजा हो पाती है। वे अपने केस को किसी न किसी कानूनी दांवपेच से तब तक उलझाए रखते हैं, जब तक गवाह टूट न जाए। वे गवाहों को तोड़ने या अपने केस को कमजोर करने के लिए साम, दाम, दंड, भेद सभी का खुलकर प्रयोग करते हैं। कुछ माह पहले वाराणसी की जिस युवती और उसके सहयोगी ने सुप्रीम कोर्ट के सामने आत्मदाह किया था, उसके मामले में आरोपित सांसद के खिलाफ 21 अपराधिक मामले थे। सांसद के एक शातिर गुर्गे ने उनका जीना दूभर कर दिया था। सांसद के प्रभाव का अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि संबंधित क्षेत्र के डिप्टी एसपी भी उसके प्रभाव में आ गए और उन्होंने कोर्ट में उसी के पक्ष में बयान दे दिया था। यह अलग बात है कि जांच के बाद वह गिरफ्तार हुए और योगी सरकार ने उन्हें बर्खास्त कर दिया। यह मामला इसका उदाहरण है कि राजनीति के अपराधीकरण के लिए पुलिस-अपराधी गठजोड़ भी जिम्मेदार है। भारत सरकार के पूर्व गृह सचिव एनएन वोहरा ने इस खतरे को लेकर कई दशक पहले ही आगाह कर दिया था, परंतु उनकी रपट पर सही तरह संज्ञान नहीं लिया गया। राजनीति के अपराधीकरण को रोकने के लिए जैसे कदम उठाए जाने चाहिए, उनका अभी भी इंतजार हो रहा है। जब कोई दागी नेता जनप्रतिनिधि बन जाता है तो उसकी पकड़ सत्ता के गलियारे तक हो जाती है। अभी कुछ दिनों पहले उत्तर प्रदेश के एक विधायक को पांच साल की सजा सुनाई गई, लेकिन यह सजा सुनाने में 28 साल लग गए। उन्होंने बीएससी की परीक्षा में फेल होने के बाद भी फर्जी मार्कशीट बनाकर आगे की कक्षा में दाखिला प्राप्त कर लिया था। नेताजी ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर पुलिस को 13 साल तक आरोपपत्र दायर करने से रोके रखा। इसके बाद कोर्ट में मुकदमा 14 साल खचवाया। दरअसल कोर्ट से इस मामले के मूल दस्तावेज ही गायब हो गए थे। ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं, जो यह बताते हैं कि राजनीतिक असर वाले नेता किस तरह अपने खिलाफ चल रहे मामलों की सुनवाई को लंबा खींचने में सफल रहते हैं। शासन की संवैधानिक व्यवस्था के तीन अंग हैं-विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका। प्रजातंत्र में तीनों का अलग-अलग कार्य क्षेत्र है। जनप्रतिनिधि सांसद-विधायक के रूप में जब सदनों में होते हैं तो विधायी कार्य करते हैं, फिर वही मंत्री बनकर कार्यपालिका के नियंत्रक हो जाते हैं। अखिल भारतीय सेवा के वरिष्ठतम अधिकारी उनके तहत कार्य करते हैं और उन्हीं के आदेशों को सामान्यतः मानते हैं। अगर न मानें तो उन्हें हाशिये पर डाल दिया जाता है। अब 'स्टील फ्रेम' कही जाने वाली उस नौकरशाही का जमाना नहीं रहा, जब मंत्री और अफसरों में मर्यादित सहमति होती थी। कार्यपालिका की स्थिति इन्हीं दागी सांसदों-विधायकों ने दयनीय कर रखी है। दागी नेता जनप्रतिनिधि बनते ही अपराध छोड़ सफेदपोश अपराध के संरक्षक बनकर अवैध कमाई में लग जाते हैं। वे दूसरों के नाम से ठेके, पट्टे, लाइसेंस लेते हैं या अवैध खनन आदि को संरक्षण देते हैं। इसके लिए वे उच्च अधिकारियों पर दबाव बनाते हैं और स्थानीय अधिकारियों को निष्क्रिय कर देते हैं। आम तौर पर हर प्रकार की अवैध गतिविधियों के संरक्षकों में दागी जनप्रतिनिधियों का नाम आता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पहले लालकिले से घोषणा की थी कि राजनीति से अपराधियों का धीरे-धीरे सफाया करेंगे। इसके लिए एमपी-एमएलए कोर्ट भी बनाई गई, ताकि वे दागी नेताओं के मामले शीघ्र निपटाएं। ये कोर्ट अपना काम कर तो रही

हमारे देश में शिक्षण संस्थानों के लिए हिजाब से संबंधित क्या हैं संवैधानिक प्रविधान

कर्नाटक में हिजाब से संबंधित विवाद के सामने आने के बाद अधिकांश लोगों के मन में अनेक सवाल उठ रहे हैं। इन तमाम सवालों के माध्यम से हम कर्नाटक में हो रहे प्रदर्शन का संवैधानिक और नीतिगत पक्ष समझने का प्रयास करते हैं। हाल ही में कर्नाटक सरकार ने कर्नाटक शिक्षा अधिनियम, 1983 की धारा 133 (2) को लागू किया है, जिसमें कहा गया है कि छात्रों को कालेज कमिटी या विश्वविद्यालय प्रशासनिक बोर्ड के द्वारा चुनी गई ड्रेस पहननी होगी। सरकार का मत है कि ऐसी ड्रेस को वर्जित किया जाना चाहिए जिससे कानून व्यवस्था भंग होती हो और समानता और सत्यनिष्ठा को भी चोट पहुंचती हो। वैसे अब यह मसला अब कोर्ट के विचाराधीन है। रेशम और अन्य बनाम कर्नाटक राज्य (2022) के नाम पर यह केस कर्नाटक हाई कोर्ट में सूचीबद्ध है। दोनों पक्ष अपनी दलील दे रहे हैं। याचिकाकर्ता के वकील का कहना है कि हिजाब पहनने का अधिकार इस्लाम में एक धार्मिक प्रथा है, और राज्य को इसमें हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। जबकि राज्य के महाधिवक्ता सरकार की तरफ से अपना पक्ष रखते हुए संविधान के अनुच्छेद 19 (2) के तहत राज्यों को उचित प्रतिबंध लगाने के अधिकार का हवाला देते हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 में धर्म को मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता दी गई है। लेकिन इसके आंरभ में ही लिखा हुआ है कि लोक-व्यवस्था तथा संविधान के भाग तीन के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए ही आपको ये अधिकार मिल सकते हैं। अब सवाल यह है कि क्या यह विवादित आदेश अनुच्छेद 25 के अंतर्गत माना जाएगा क्या यह सरकारी आदेश लोक व्यवस्था के अंतर्गत भी माना जाएगा अगर हां, तो संविधान के अनुच्छेद 19 (2) के तहत किस हद तक औचित्यपूर्ण माना जाएगा और सरकार के लोक व्यवस्था कायम रखने के अधिकार को न्याय संगत

बनाएगा। इस बारे में फातिमा तसनीम बनाम केरल राज्य (2018) केस महत्वपूर्ण है। दरअसल जस्टिस मुस्ताक ने एक निजी स्कूल में पढे वाली दो नाबालिग छात्राओं द्वारा निर्धारित ड्रेस कोड को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई करते हुए कहा था कि याचिकाकर्ता संस्था के व्यापक अधिकार के खिलाफ अपने व्यक्तिगत अधिकारों को लागू करने की मांग नहीं कर सकते, जिसमें हेडस्कार्फ और साथ ही पूरी बाजू की शर्ट पहनने की इजाजत मांगी गई थी जो स्कूल के ड्रेस कोड के विरुद्ध था। कोर्ट ने सामूहिक हित को प्राथमिकता दी, न कि व्यक्तिगत हित को। सवीच्च न्यायालय ने भी आशा रंजन और अन्य बनाम बिहार सरकार (2017) के फैसले में संतुलन की बात को स्वीकार किया और कहा कि प्रतिस्पर्धी अधिकार की बात जब आती है तो सदैव व्यक्तिगत हित व्यापक जनहित के अनुरूप होना चाहिए। अब सवाल यह उठता है कि क्या हिजाब पहनना इस्लाम के अनिवार्य धार्मिक प्रथा का हिस्सा है या नहीं इसके उत्तर पर ही कर्नाटक सरकार के कानून को न्यायोचित या असंवैधानिक करार दिया जा सकता है। आमना बिंत बशीर बनाम सीबीएसई (2016) में भी केरल हाई कोर्ट द्वारा हिजाब पहनने की प्रथा और उसे अनिवार्य इस्लामिक प्रथा मानने के मुद्दे पर विमर्श किया गया था। हालांकि कोर्ट ने सीबीएसई के पक्ष को ही माना था। वर्तमान मामले में याचिकाकर्ता का कहना है कि जैसे सिख को पगड़ी पहनने की अनुमति होती है, वैसे ही कालेज के यूनिफार्म में हिजाब पहनने की अनुमति उन बच्चों को दी जा जाए जो इसे पहनने के इच्छुक हों। अब देखना होगा कि कर्नाटक हाई कोर्ट इस विषय पर क्या फैसला देती है। क्या वह यह मान लेगी कि हिजाब पहनना इस्लाम में अनिवार्य प्रथा है अगर नहीं, तो संवैधानिक अधिकारों के भाव को देखते हुए कालेज कमिटी या विश्वविद्यालय प्रशासनिक बोर्ड को क्या दिशानिर्देश जारी करती है ताकि शिक्षा व्यवस्था सुचारु रहने के साथ ही धार्मिक सद्भाव भी कायम रहे।

आखिर क्यों कर्नाटक में है शिक्षण संस्थानों में शिक्षार्थियों का ड्रेस कोड सुर्खियों में

कालेज ड्रेस कोड से संबंधित एक मुद्दे ने कर्नाटक के बाकी हिस्सों में भी विवाद को जन्म दे दिया है। इन घटनाओं के बीच अराजक तत्वों, धार्मिक प्रतिनिधियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के द्वारा इस पूरी घटना को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की गई और इस मुद्दे पर हिंसा और आगजनी की घटनाओं को अंजाम दिया गया। संबंधित घटनाओं की बढ़ती गंभीरता और इससे जुड़ी हिंसा को देखते हुए कर्नाटक सरकार द्वारा

तीन दिन के अवकाश की घोषणा कर दी गई। हमें इस पूरी बहस में सामने आने वाले भटकावों से बचते हुए तीन महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान देना है। पहला, यह मसला दो धर्मों के बीच का नहीं, बल्कि धर्मनिरपेक्ष राज्य की अवधारणा और धार्मिक मान्यताओं के बीच का है जिसे वर्तमान परिस्थिति में भारतीय संविधान की दृष्टि से देखना होगा। दूसरा व्यक्तिगत स्वतंत्रता बनाम व्यवस्था का है और तीसरा इस मसले का मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा पर प्रभाव। धार्मिक व्यवस्था पर राजतंत्रीय व्यवस्था को तरजीह आधुनिक राज्य व्यवस्था का मूल है जिसे 1648 की वेस्टफेलिया की संधि से स्थापित किया गया था। आगे चलकर पोप या खलीफा के नेतृत्व वाली मध्य-युगीन धार्मिक सत्ता के तहत चलने वाली राज्य व्यवस्था की जगह जब लोकतंत्र ने लिया तो इस बात पर बल भी दिया गया गया कि किसी भी धर्म या संप्रदाय से जुड़े लोगों को दबाया नहीं जाना चाहिए। अगर यूरोपीय इतिहास को ही देखें तो धर्म और राज्य को लेकर वहां अलग अलग प्रयोग भी किए गए जहां कई राष्ट्रों में विविध पहचानों और धर्मों को महत्व दिया गया। वहीं साम्यवादी शासन में धर्म को पूरी तरह से दबाया गया। धार्मिक चिन्हो पहनावों को लेकर अभी भी वहां बहस चल ही रही है। फ्रांस में भी संस्कृतियों और धर्मों के इस सह-अस्तित्व को शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए सार्वजनिक स्थलों जैसे स्कूल, कालेज, काम करने की जगह पर धार्मिक प्रतीकों के प्रदर्शन पर वहां की सरकारों के द्वारा रोक लगा दी गई। भारत इस मामले में भाग्यशाली रहा, क्योंकि यहां पर संविधान निर्माताओं ने समानता और धार्मिक स्वतंत्रता के बीच एक संतुलन कायम किया जो काफी हद तक स्वीकार्यता की भारतीय परंपरा के अनुरूप भी है और शायद यही कारण रहा कि भारत में किसी भी प्रकार के धार्मिक अथवा सांस्कृतिक टकराव राज्य को लेकर नहीं बने। शिक्षा को लेकर देखें तो भारत में तो दो तरह के शैक्षणिक संस्थान हैं। एक केंद्र अथवा राज्य शासित शिक्षा के केंद्र (जो किसी धर्म विशेष के विशेषाधिकारों द्वारा स्थापित नहीं किए गए हों) जो सभी नागरिकों को प्रदान किए जाने वाले समान अधिकारों में से एक हैं, और जहां सभी को शिक्षा का एकसमान अधिकार है। शिक्षा के ऐसे केंद्र एकात्मकता और समन्वित शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। दूसरे अल्पसंख्यकों के द्वारा चलाए जाने वाले संस्थान हैं। अल्पसंख्यक समूहों के द्वारा स्थापित संस्थाओं को संविधान के दायरे में रहकर अपने लिए विशेष शिक्षा प्रणाली, व्यवहार और वेशभूषा को विकसित करने का पूरा अधिकार प्रदान किया गया है। यानी दोनों ही संस्थानों को अपने नियमों को बनाने और मानने की छूट है और ड्रेस उसी नियम के तहत आता है। ऐसे में अगर कोई धार्मिक समूह राज्य पोषित संस्था में विशेष छूट की मांग करता है तो वह कहीं न कहीं आधुनिक राज्य के मूल विचार को चुनौती दे रहा है। जहां तक व्यक्तिगत स्वतंत्रता बनाम व्यवस्था का प्रशन है, यह बहस काफी लंबे समय से चली आ रही है। व्यक्तिगत अधिकार सुरक्षित रह सकते हैं। व्यवस्था व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सुरक्षा प्रदान करती है और हनन की आशंका की स्थिति में भी व्यवस्था के अंतर्गत ही उसका समाधान खोजा जाना चाहिए। बह सांस्कृतिक समाज में सभी के लिए समान व्यवस्था के निर्माण के लिए विशेष अधिकारों को छोडा आवश्यक है, ताकि विभिन्न सांस्कृतिक गुटों के बीच अपने अपने विशेषाधिकारों को लेकर टकराव की स्थिति न उत्पन्न हो। कालेज में पढे वालों के लिए एक नियत ड्रेस कोड उसी एकात्म व्यवस्था का एक हिस्सा है जिसका निर्धारण कालेज प्रशासन द्वारा किया जाता है। सार्वजनिक संस्थानों में एक समान व्यवस्था अनुशासन के साथ ही अधिकार और व्यक्तिगत विश्वास के बीच में संतुलन कायम करती है। तीसरा और महत्वपूर्ण मुद्दा मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा का है, जिसका परिप्रेक्ष्य वर्तमान घटनाक्रमों के परिणामस्वरूप हमारे समक्ष हो सकता है। वर्तमान में 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार मुस्लिम महिलाओं की साक्षरता दर 51.9 प्रतिशत है जो महिलाओं की राष्ट्रीय साक्षरता दर 65.46 प्रतिशत से लगभग 25 प्रतिशत कम है। इन परिस्थितियों में ड्रेस कोड को लेकर छिड़ी यह बहस मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा पर विपरीत असर डालेगा। ऐसा होने से जहां उन्हें धर्मानुसार उचित ड्रेस कोड वाले ही शिक्षण संस्थानों में जाने की बाध्यता होगी, वहीं दूसरी ओर अच्छे शिक्षण संस्थानों के अभाव में अच्छी शिक्षा न मिल पाने की आशंका भी बढ़ जाएगी, जिसके नतीजे उनके लिए घातक हो सकते हैं। शायद यही कारण है कि भारतीय मुस्लिम महिलाओं का एक हिस्सा छात्राओं के कालेज में हिजाब समर्थन को लेकर चिंतित है। यह एक विडंबना है कि आज ईरान और अफगानिस्तान समेत दुनिया के कई मुस्लिम देशों में हिजाब के विरोध में आंदोलन चल रहे हैं। वे इसे महिलाओं की स्वतंत्रता के विरुद्ध मान रहे हैं, वहीं कर्नाटक के विभिन्न कालेजों में स्कूल प्रशासन की तरफ से नामांकन करने से पहले ही स्कूल के ड्रेस कोड के बारे में छात्राओं को स्पष्ट बता दिया गया था और उनके द्वारा इसके लिए सहमति भी दी गई थी, फिर भी हिजाब का समर्थन किया जा रहा है। यह स्थिति और भी भयावह तब दिखने लगती है जब कई बुद्धिजीवी भी कई प्रकार की स्वतंत्रता के नाम पर इस तरह की धर्मांधता को बढ़ावा समर्थन देने लगते हैं, जबकि वे अच्छी तरह से जानते हैं कि विशेष पहनावा प्रशासनिक सुविधा के लिए बनी व्यवस्था मात्र नहीं है। इसका उद्देश्य किसी संस्थान से जुड़े सदस्यों के बीच किसी भी प्रकार के अलगाव की भावना और सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक पृथक्करण को रोकने और समता को बढ़ावा देने का होता है।

शिनजियांग प्रांत के उइगरों पर हो रहे चीन के अत्याचारों पर ILO ने जताई चिंता, कहा' अपनी नीति बदले कम्यूनिस्ट पार्टी आफ चाइना

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने चीन के शिनजियांग प्रांत में रहने वाले उइगर मुस्लिमों पर हो रहे अत्याचारों और मानवाधिकार उल्लंघनों को लेकर गंभर चिंता व्यक्त की है। आईएलओ ने कहा है कि चीन को अपनी नीतियों की समीक्षा करनी चाहिए और इन लोगों पर होने वाले अत्याचारों को तुरंत रोकना चाहिए। आईएलओ द्वारा जारी की गई इस रिपोर्ट का अमेरिका ने न सिर्फ समर्थन किया है बल्कि इस रिपोर्ट में नीतियां बदलने के जो सुझाव चीन को दिए गए हैं उनका भी सही करार दिया है। अमेरिका ने कहा है कि वो

आईएलओ की इस रिपोर्ट का स्वागत करता है जो उइगरों के प्रति चीन की सरकार की सच्चाई को दर्शाती है। आईएलओ ने अपनी रिपोर्ट में चीन की सरकार से अपील करते हुए कहा है कि उसको अपनी नीतियां और अपने कानून को भी बदलने की सख्त जरूरत है। इसमें यहां तक कहा गया है कि चीन इन लोगों और देश में रहने वाले दूसरे अल्पसंख्यकों के प्रति नौकरियों में भी दोहरा बर्ताव कर रहा है जिसको खत्म करने की जरूरत है। इसके लिए चीन को कड़े कदम उठाने चाहिए। आपको बता दें कि चीन में रहने वाले उइगरों और दूसरे अल्पसंख्यकों के प्रति चीन के रवैये की आलोचना विश्व के कई दूसरे मानवाधिकार से जुड़े संगठन और ग्रुप भी कर चुके हैं। हालांकि चीन हमेशा ही इन आरोपों को खारिज करता रहा है। अमेरिका और चीन इस मुद्दे पर कई बार आमने-सामने भी आ चुके हैं। चीन का कहना है कि ये पूरी तरह से उसका अंदरुणी मसला है जिसमें किसी भी अन्य देश को बोलने का कोई हक नहीं है। आईएलओ की रिपोर्ट इस संबंध में बनी कमेटी आफ एक्सपर्ट द्वारा तैयार की गई है। एक्सपर्ट की रिपोर्ट में साफतौर पर कहा गया है कि चीन की सरकार और वहां की सत?ताधारी पार्टी को उइगरों के प्रति किए जा रहे व्यवहार को बदलना होगा। जो काई भी इसके लिए दोषी हैं उनके लिए कदम उठाने होंगे। इस रिपोर्ट पर अमेरिकी विदेश मंत्रालय का कहना है कि चीन को उइगरों के लिए नई नीतियां लानी चाहिए और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने और आत्मनिर्भर बनाने के कदम उठाने चाहिए।

नेपाल : शिवरात्रि से पहले खोले गए पशुपतिनाथ मंदिर के कपाट, कोविड प्रोटोकाल के साथ दर्शन कर सकेंगे श्रद्धालु

नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर के कपाट शुक्रवार से श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। शिवरात्रि के आगमन से पहले मंदिर के कपाट खोल दिए गए हैं। यह मंदिर नेपाल की राजधानी काठमांडू में स्थित है। बता दें कि कोविड संक्रमण की तीसरी लहर के मद्देनजर 18 जनवरी को मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए थे। पशुपति क्षेत्र विकास ट्रस्ट द्वारा इस सप्ताह की

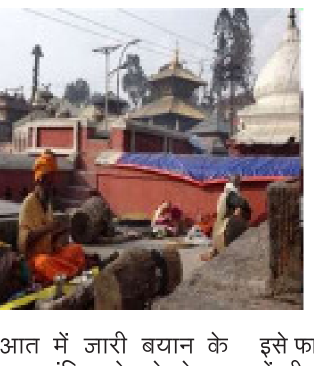

शुरुआत में जारी बयान के अनुसार, मंदिर को खोलने का निणय्र काठमांडू के जिला प्रशासन कार्यालय के 7 फरवरी के आदेश के बाद आया है। डीएओ ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य मानकों का पालन करके मठों, मंदिरों, मस्जिदों और चर्चों जैसी जगहों पर पूजा, ध्यान या प्रार्थना की जा सकती है। एक भक्त ने कहा, मैं मंदिर आकर बहुत खुश और प्रसन्न हूं। पहले मैं यहां दो बार आया था लेकिन मंदिर बंद था, इस बार मंदिर के अंदर जाने का मौका मिला और इससे मैं खुद को बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। मैं मंदिर के अंदर जा सका और मैंने प्रार्थना की। इससे पहले ओमिक्रोन वायरस का संक्रमण बढ़ने के कारण पशुपतिनाथ मंदिर को 18 जनवरी से दर्शनाथियों के लिए बंद कर दिया गया था। एक अन्य भक्त ने कहा, मेरा नाम विराट कुमार निगोटिया है, मैं विराटनगर से मंदिर में पूजा करने आया हूं। मैं बहुत उत्साहित और खुश हूं कि मुझे वास्तव में मंदिर के अंदर आने और पूजा करने का मौका मिला, जो मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। शिवरात्रि उत्सव से पहले श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के कपाट खोल दिए गए हैं। शिवरात्रि का त्योहार फाल्गुन के महीने में घटते चंद्रमा के चौथे दिन आता है। चंद्र कैलेंडर के अनुसार, इसे फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी के रूप में भी जाना जाता है यह त्योहार भगवान शिव को समर्पित है। इस साल शिवरात्रि एक मार्च को मनाई जाएगी। नेपाल कैलेंडर निर्धारण समिति के अनुसार, फाल्गुन की कृष्ण चतुर्दशी की मध्यरात्रि में ब्रह्मा ने शिव का रूप धारण किया था इसलिए इस दिन लोग मंदिरों में भगवान शिव की प्रार्थना, पूजा और दर्शन करते हैं। हिंदुओं का मानना है कि महाशिवरात्रि का व्रत करने से व्यक्ति के जीवन में शांति और समृद्धि आती है।

उत्पादक, उपभोक्ता और अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचाती रेलवे की किफायती माल ढुलाई क्रांति

हालिया आम बजट में तमाम खास घोषणाएं हुईं, जिनका व्यापक विश्लेषण भी हुआ है। फिर भी कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर उतनी चर्चा नहीं हुई, जितनी होनी चाहिए थी। जैसे मोदी सरकार ने अगले तीन वर्षों के दौरान देश में सौ गति-शक्ति कार्गो टर्मिनल विकसित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इसके माध्यम से एक स्टेशन-एक उत्पाद की संकल्पना को सिरे चढ़ाने की सरकारी योजना यदि आदर्श रूप में फलीभूत हुई तो यह बाजी पलटने वाली साबित हो सकती है। मोदी सरकार ने रेल ढुलाई क्षमताओं से जुड़ी संभावनाओं को बखूबी भुनाकर न केवल भारतीय रेलवे को मुनाफे की पटरी पर आगे बढ़ाया है, बल्कि इससे आपूर्ति की दुश्वारियां दूर होकर समग्र अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिला है। सरकार अब इस मुहिम को और रफ्तार देना चाहती है। यह किसी से छिपा नहीं कि कृषि उपज को देसी-विदेशी बाजारों तक पहुंचाने में व्यवस्थित नेटवर्क का अभाव भारतीय खेती की बदहाली की बड़ी वजह है। रही-

सही कसर सड़क मार्ग की महंगी ढुलाई ने पूरी कर दी। वृद्धि की राह में इसी अवरोध को भांपते हुए सरकार ने कृषि उपजों की बिक्री के व्यवस्थित नेटवर्क बनाने के साथ-साथ ढुलाई लागत कम करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। इसमें पहला काम है रेलवे से माल ढुलाई को बढ़ावा देना। भारत में लाजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद के 13 से 15 प्रतिशत के दायरे में है, जबकि इसका वैश्विक औसत आठ प्रतिशत है। एक किमी लंबाई की मालगाड़ी औसतन 72 ट्रकों जितना माल ढोती है। इससे न केवल ढुलाई लागत कम होगी बल्कि व्यस्त राजमार्गों पर ट्रकों की भीड़ कम होने से माल समय से पहुंचेगा। सड़कें भी सुरक्षित बनेंगी। दुनिया भर में रेलवे से माल ढुलाई सड़क मार्ग की तुलना में सस्ती पर्यावरण अनुकूल और शीघ्र डिलीवरी वाली होती है। वहीं भारत में रेल ढुलाई न केवल धीमी, बल्कि अनिश्चित भी है। यही कारण है कि आजादी के बाद से ही माल ढुलाई में रेलवे की हिस्सेदारी घटती जा रही है। अधिकांश माल ढुलाई सड़क मार्ग से होने से उसकी लागत बढ़ती है, जिसका बोझ अंततः उपभोक्ताओं पर पड़ता है। उत्पाद के दाम बढ़ने के चलते बिक्री प्रभावित होने से व्यापारियों को भी घाटा उठाना पड़ता है। बतौर उदाहरण सेब का उत्पादन देश के उत्तरी राज्यों में होता है, लेकिन पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों तक उस सेब को पहुंचाना महंगा पड़ता है। जबकि उन राज्यों में विदेशी सेब सस्ता पड़ता है। ऐसी स्थिति तमाम अन्य उत्पादों के साथ है। मोदी सरकार में रेलवे की योजना माल ढुलाई में अपनी हिस्सेदारी 28 प्रतिशत के मौजूदा स्तर से बढ़ाकर 44 प्रतिशत करने की है। नेशनल रेल प्लान के अनुसार माल ढुलाई में रेलवे की हिस्सेदारी 2026 तक 33 प्रतिशत, 2031 तक 39 प्रतिशत, 2041 तक 43 प्रतिशत और 2051 तक 44 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए रेलवे विभाग लीक से हटकर प्रयास कर रहा है। अब तक मालगाड़ियों को बीच रास्ते में रोककर यात्री गाड़ियां पास कराई जाती थी, लेकिन अब मालगाड़ियां समय से चल रही हैं। पहले मालगाड़ियों की औसत रफ्तार 22 किमी प्रति घंटा थी, वहीं अब 50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से मालगाड़ियां दौड़ रही हैं। सड़कों पर बढ़ती भीड़, महंगे डीजल और लेटलतीफी जैसे कारणों से दिग्गज कंपनियां रेलवे से ढुलाई को प्राथमिकता देने लगी हैं, जो रेलवे के लिए शुभ संकेत है। 2014 से 2020 तक मारुति सुजुकी ने 6,70,000 कारों की ढुलाई रेलवे के माध्यम से की। इससे न केवल 10 करोड़ लीटर डीजल की बचत हुई, बल्कि वायुमंडल में 3000 टन कार्बन डाईआक्साइड का उत्सर्जन भी नहीं हुआ।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती, कर्नाटक ने धार्मिक कपड़ों पर लगाई है पाबंदी

नई दिल्ली। कर्नाटक हिजाब मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश को अब सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी गई है। सुप्रीम कोर्ट में एक छात्र ने इस मामले में याचिका डाली है। बता दें कि कर्नाटक हाईकोर्ट ने गुरुवार को आदेश जारी किया था कि याचिका के लंबित रहने तक कोई भी स्कूल कॉलेजों में धार्मिक ड्रेस ना पहने। इसमें स्कूल कॉलेजों को खोले जाने को भी कहा था। मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में सोमवार को भी जारी रहेगहा । तब तक स्कूल-कालेज शुरू होने दें। लेकिन जब तक मामला सुलझ नहीं जाता तब तक किसी को भी धार्मिक पोशाक पहनने की इजाजत नहीं होगी। हाईकोर्ट ने कहा, 'धार्मिक कपड़े जसे- हिजाब या फिर भगवा शॉल फैसले के निपटारे तक स्कूल-कालेज परिसरों में नहीं पहने जाएंगे। सभी को रोकेंगे। क्योंकि हम राज्य में अमन चैन चाहते हैं। हाईकोर्ट मुस्लिम छात्राओं की ओर से कालेजों में हिजाब बैन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। मामले की सुनवाई के दौरान प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा है कि फिलहाल वो अन्य मुद्दे पर भी विचार कर रहे हैं कि क्या हेडस्कार्फ पहनना मौलिक अधिकारों के अंतर्गत आता है। कोर्ट ने कहा कि साथ ही वो इस बात पर भी विचार कर रहे हैं कि क्या हेडस्कार्फ पहनना धार्मिक परम्परा का एक अनिवार्य हिस्सा है।

जम्मू कश्मीर के 10 विधानसभा क्षेत्रों की आबादी एक लाख से भी कम

जम्मू । परिसीमन आयोग की अंतरिम रिपोर्ट अगर अपने मूल रूप में ही लागू होती है तो जम्मू कश्मीर में 90 विधानसभा क्षेत्रों में से 10 क्षेत्रों की आबादी एक लाख से कम है। इनमें सात विधानसभा क्षेत्र जम्मू संभाग और तीन कश्मीर संभाग में हैं। कश्मीर में गुरेज विधानसभा क्षेत्र की आबादी 38 हजार से भी कम और जम्मू संभाग के पाडर की 51 हजार से थोड़ी सी अधिक है। यह परिसीमन वर्ष 2011 की जनणगना आधार पर हुआ है। जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 के तहत प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने से पूर्व विधानसभा क्षेत्रों का परिसीमन किया जाना है। इस प्रक्रिया के तहत प्रदेश में विधानसभा सीटों की संख्या 83 से बढ़ाकर 90 की जानी हैं। जस्टिस (सेवानिवृत्त) रंजना देसाई की अध्यक्षता में गठित परिसीमन आयोग ने बीते सप्ताह ही अपनी अंतरिम रिपोर्ट सौंपी है।

ईसाई कान्वेन्ट स्कूलों में अर्ध नग्न स्कर्ट के स्थान पर सलवार और हिजाब पहनकर जाने वाली मुस्लिम छात्रा को 1 लाख रुपयों का ईनाम - दारा सेना

हिन्दू - मुसलमान एक जुट होकर प्रधान मंत्री नरेन्द मोदी को भारी बहुमत से विजय दिलाये - मुकेश जैन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । धर्मरक्षक श्री दारा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश जैन की अध्यक्षता में हुई हिन्दू संगठनों की बैठक में कर्नाटक में चुनाव के समय उठाया गया हिजाब मामला प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा सरकार को चुनाव में हराने की आतंकवादी इसाई मिशिनरियों और उनसे जुड़े टुकड़े - टुकड़े गैंग की अंग्रेजी विदेशी साजिश बताया। हिन्दू संगठनों ने इसे हिन्दुओं मुसलमानों को भिड़वाकर भारत को फिर से अंग्रेजों का गुलाम बनाने की इंग्लैण्ड- अमेरीका की फंडिंग पर चल रही देश विरोधी ताकतों की बड़ी साजिश बताते हुए भारत सरकार को चेताया कि इस साजिश को भारत के बड़े मीडिया हाउस सहित वकीलों और जजों की बड़ी लाबी और टुकड़े-टुकड़े गैंग के गिरोह तूल दे रहे हैं। वक्त रहते यदि इन देशद्रोही ताकतों का फन नहीं कुचला गया तो ये ताकते देश तोड़ने के अपने कुत्सिंग मंसूबे कामयाब करने में कामयाब हो जायेंगी। हिन्दू संगठनों ने देश के हिन्दुओं और मुसलमानों को चेताया कि वे अमेंरीका के ऐजेन्ट खूंखार नक्सलवादी ईसाई अरविन्द केजरीवाल की देश विरोधी साजिश से सावधान रहें। देश के हिन्दुओं और मुसलमानों ने अंग्रेजों के खिलाफ सम्राट बहादुर शाह जफर के नेतृत्व में आजादी की लड़ाई लड़कर लाखों कुर्बानियां देकर बड़ी मुश्किल से यह आजादी पायी है। जिसे टुकड़े- टुकड़े गैंग की साजिश का शिकार होकर गवाया नही जा सकता। श्री जैन ने हिन्दुओं और मुसलमानों से एक जुट होकर प्रधान मंत्री श्री नरेन्द मोदी को भारी बहुमत से विजय दिलाकर देश द्रोही ताकतों को मुंह तोड़ जवाब देने का अनुरोध किया। हिन्दू संगठनों को सम्बोधित करते हुए दारा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश जैन ने हिजाब पहनने वाली कथित मुसलिम लड़कियों से निवेदन किया कि वें ईसाई मिशिन्री स्कूलों के अर्धनग पहनावे स्कर्ट के स्थान पर सलवार और हिजाब पहनकर जाये तो उन्हे पता चल जायेगा कि उनका समर्थन कर रही , अंग्रेजों के टुकड़ों पर पल रही देशद्रोही ताकते उनका जबरदस्त विरोध करने लगेगी। किन्तु ऐसा एक भी मुस्लिम छात्रा नहीं करेगी क्यों कि हिजाब पहनने वाली लड़कियां टुकड़े- टुकड़े गैंग के प्रायोजित कार्यक्रम का हिस्सा हैं जिनका मकसद सिर्फ और सिर्फ भाजपा की जीत को हार में बदलना है। हिन्दू संगठनों ने ईसाई कान्वेन्ट स्कूलों में सलवार पहनकर जाने वाली छात्राओं को एक लाख रूपयों का ईनाम भी देने की भी घोषणा की।

हिजाब विवाद : भारत ने पाकिस्तान को अपने गिरेबान में झांकने की दी नसीहत, जानें क्या कहा

नई दिल्ली। भारत ने कर्नाटक के हिजाब विवाद में बेवजह टांग अड़ाने के प्रयासों को लेकर पाकिस्तान को हद में रहने का साफ संदेश दे दिया। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय दूतावास के राजनयिक को बुलाकर हिजाब पहन कालेज जाने वाली मुस्लिम छात्रा के साथ कथित

भगवाधारियों के व्यवहार पर सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर करने की कोशिश। भारतीय राजनयिक ने पाकिस्तान की इस हरकत पर ब्रेक लगाते हुए न केवल उसकी खोखली चिंता को खारिज कर दिया, बल्कि उसे अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत भी दी पाकिस्तान ने बुधवार शाम इस्लामाबाद में भारतीय दूतावास के चार्ज डी अफेयर्स सुरेश कुमार को विदेश मंत्रालय में बुलाकर हिजाब विवाद के मुद्दे पर भारत को नसीहत देने की कोशिश की। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने जब इस विवाद को धार्मिक रंग देते हुए अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा और असहिष्णुता के मुद्दे पर चिंता जाहिर की, तो भारतीय राजनयिक ने तत्काल उसे खारिज कर दिया। राजनयिक ने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और हमारे यहां नियम-कानून की प्रक्रियाएं हैं। बेहतर होगा कि पाकिस्तान इस मामले में अपना ट्रैक रिकार्ड देखे। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बुधवार देर रात बयान जारी कर भारत में धार्मिक असहिष्णुता व मुसलमानों के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए चिंता जाहिर की थी। उसने कहा था कि भारत को कर्नाटक हिजाब विवाद से जुड़ी महिला का उत्पीड़न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने भी इस मामले में बेवजह टांग अड़ाने की कोशिश करते हुए कहा था कि मुस्लिम लड़कियों को शिक्षा से वंचित करने का प्रयास बुनियादी मानवाधिकारों का उल्लंघन है। वहीं दूसरी ओर कर्नाटक का हिजाब विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल हुई जिसमें कालेज में हिजाब पहनकर आने की मनाही करने वाले कर्नाटक सरकार के आदेश को रद करने की मांग की गई है। याचिका में हिजाब को मुस्लिम महिलाओं के लिए जरूरी बताते हुए धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार की दुहाई दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग ठुकराते हुए कहा कि पहले हाई कोर्ट निणर्य ले, उसके बाद शीर्ष अदालत इसे सूचीबद्ध करने पर विचार करेगी।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए हिंदू जागरण मंच हुआ सक्रिय

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। आज हिंदू जागरण मंच द्वारा झांसी के सिद्धेश्वर मंदिर में विभिनन्‌ मुद्दों को लेकर प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया, जानकारी देते हुए हिंदू जागरण मंच के प्रांत समन्वयक अंचल अड़जरिया ने कहा हिंदू जागरण मंच द्वारा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र की समस्त विधानसभा क्षेत्रों पर आम जनमानस को जागृत करने एवं सनातन संस्कृति की रक्षा, देश हित में, प्रदेश हित में मतदान करने के लिए निरंतर रूप से अभियान चलाया जा रहा है और पूरे प्रांत में महिलाओं, युवाओं, साधु संतों की टोलियां के माध्यम से जन जागृति, आम जनमानस को गुंडागर्दी से मुक्त रखने, उनकी चल अचल संपत्ति को सुरक्षित रखने, राम मंदिर निर्माण से सनातन संस्कृति की ध्वजा विश्व में फहराने, कश्मीर में धारा 370 हटाने के बाद पहली बार लाल चौक पर झंडा फहराने जैसी बातें, महिलाओं बेटियों की सुरक्षा, लव जेहाद जैसी घटनाओं से बचाव आदि विषय पर जागृत कर मतदान करने की अपील की जा रही है। पूरे देश के अंदर ओवेसी व उन जैसी विचारधारा के लोगों के द्वारा देश राज्य एवं अन्य संस्थाओं के नियम कायदे कानून तोड़कर, लगातार जनता को भड़काकर अराजकता फैलाने का प्रयास किया जा रहा है हाल ही में कर्नाटक के एक शिक्षण संस्थान में कॉलेज का ड्रेस कोड हटाकर जबरदस्ती

मजहबी मान्यताओं को थोपने का प्रयास किया गया है। कभी कहते हैं कि 15 मिनट के लिए पुलिस हटा लो, कभी उत्तर प्रदेश में आकर पुलिस को धमकाते हैं कि योगी मोदी तुम्हें कब तक बचाएंगे, ऐसे लोगों के खिलाफ जो देश को बांटना चाहते हैं उन पर सरकार को सख्त कार्यवाही करनी चाहिए भारतीय संविधान के अनुसार 10ज्ञ्‌ से अधिक आबादी वाले पंथ बहुसंख्यक कहलाएंगे अतः जिन पंथों की जनसंख्या कुल आबादी की 10ज्ञ्‌ से अधिक है उन्हें अल्पसंख्यक समाज को दी जाने वाली सुविधाएं क्यों दी जा रही हैं ? जो देश किसी धर्म विशेष के आधार पर चलते हैं जैसे इस्लामिक देश वहां पर अन्य धर्मों के अधिकारों का हनन होता है और वहीं पर अल्पसंख्यक समुदाय जैसी प्रथाएं लागू होती हैं जबकि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है यहां सभी को समान अधिकार प्राप्त हैं फिर एक वर्ग विशेष को आम नागरिकों से अधिक सुविधाएं देने की बात क्यों की जाती है ? इन्हीं सब मुद्दों को लेकर हिंदू जागरण मंच द्वारा जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है और आम जनमानस से अधिक से अधिक संख्या में निकल कर वोट देने की अपील की जा रही है स्थानीय प्रशासन एवं सरकार से भी समय-समय पर मांग की जाती है कि स्कूलों में सामान्य विद्यार्थी एवं सामान्य शिक्षकों के लिए एक निर्धारित ड्रेस कोड राज्य व संपूर्ण देश में लागू की जाए जिससे पढ़ने वाले विद्याथिर्यों व शिक्षकों में आपस में विभेद ना हो वह सभी एक समान रूप से पढ़ लिखकर देश की उननति में भागीदार बन पायें। इस दौरान हिंदू जागरण मंच के प्रांत उपाध्यक्ष राजेश नायक, जिला महामंत्री जयदीप खरे, हिंदू वाहिनी के जिलाध्यक्ष पुरकेष अमरया, आदित्य तिवारी एवं मीडिया प्रभारी अतुल वर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खास इंटरव्यू में बोले अजय चौटाला 'बड़ों' की मर्जी हो तो अब भी एकता संभव, लेकिन बड़े चौटाला नहीं चाहेंगे

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला अपनी सजा पूरी होने के बाद कल (बृहस्पतिवार को) दिल्ली की तिहाड़ जेल से रिहा हो गए। उनकी रिहाई से परिवार के साथ-साथ जजपा के नेता व कार्यकर्ता भी बहुत खुश हैं। रिहाई के बाद खास बातचीत में अजय चौटाला ने भविष्य की राजनीति और रणनीति के संकेत दिए। वह चौटाला परिवार में एकता के लिए अब भी तैयार दिखे और कहा कि जजपा व इनेलो अब भी एक हो सकते हैं, लेकिन बड़े चौटाला (ओमप्रकाश चौटाला) नहीं मानेंगे।

डा. अजय सिंह चौटाला की जेबीटी शिक्षक भर्ती मामले में 10 साल की सजा बृहस्पतिवार को पूरी हो गई। कोरोना की तीसरी लहर के चलते वह हालांकि पैरोल पर पिछले कुछ दिनों से घर पर ही थे, लेकिन अब उनकी विधिवत रिहाई के बाद न केवल परिवार के सदस्यों में खुशी का माहौल है, बल्कि जजपा कार्यकर्ताओं का भी जोश बढ़ गया है। उनके बड़े बेटे हरियाणा सरकार में चौटाला बृहस्पतिवार को पूरे दिन दिल्ली में रहे और पिता अजय चौटाला की जेल से रिहाई की तमाम औपचारिकताएं पूरी कराने के बाद उन्हें घर लाए।

समाजवादी पार्टी के सेक्टरों में नहीं लगे बस्ते

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । विधानसभा नोएडा पर पहली बार ऐसा चुनाव देखने को मिला जहां सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के सभी बूथों के बाहर बसते और एजेंट दिखाई दिए, जबकि सबसे बड़े विपक्ष सपा का नोएडा के अधिकांश सेक्टरो मे बूथों के बाहर सेक्टरों में बस्ते भी नहीं लगे। इतना ही नहीं बुथ एजेंट भी नदारद रहे ।ऐसे में वोटरों का मत है कि उन्होंने विकास के नाम पर वोट दिया। जिसमें एक बार फिर भाजपा जीत की तरफ बढ़ती हुई दिखाई दे रही है । नोएडा विधानसभा चुनाव में इस बार चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हो गया।इस बार विपक्ष पार्टी को यह तक कहने को नहीं दिया गया कि फला बुथ पर गड़बड़ी हुई ।सब जगह पर शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न हो गया ।लेकिन शहर के सेक्टरों में अधिकांश जगहों पर सपा के बस्ते नहीं लगे। यही हाल बसपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का रहा। इनमें सबसे बुरा हाल सपा का रहा। खुद सपा कार्यकर्ता एक बड़े पदाधिकारी पर दोष देते नजर आए ,कि उसके द्वारा सेक्टरों में न तो एजेंट बनाई गई और ना ही बसते लगवाए गए।

भारत के हितों को नुकसान पहुंचा सकती है चीन-रूस की बढ़ती नजदीकी, अधिक समय तक नहीं कर सकेंगे नजरअंदाज- एक्सपर्ट व्यू

नई दिल्ली । रूस और यूक्रेन के बीच उभरे तनाव के बीच पूरी दुनिया की निगाहें आने वाले दिनों पर लगी हैं। वहीं विश्व की निगाहें इस बात पर भी लगी हैं कि कौन किसका साथ देगा। इसके अलावा चीन और रूस के बीच आई नजदीकी से जहां अमेरिका को लेकर सवाल उठ रहे हैं वहीं भारत के लिए ये एक बड़ी बात है। ऐसा इसलिए क्योंकि रूस कार्फी लंबे समय से भारत का सहयोगी रहा है। रणनीतिक और आर्थिक दोनों ही क्षेत्रों में रूस के साथ हमारे घनिष्ठ संबंध रहे हैं। वहीं यदि चीन की बात करें तो वो भारत के लिए परेशानी का सबब बनता रहा है। बता दें कि पूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने चीन को दुश्मन नंबर वन करार दिया था। जानकार मानते हैं कि इन दोनों देशों की नजदीकी

भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती है। आब्जरवर रिसर्च फाउंडेशन के प्रोफेसर हर्ष वी पंत का मानना है कि चीन और रूस की नजदीकी एक बड़ी चुनौती बन सकता है। उनका कहना है कि अब तक इस मामले में संतुलन बनाए रखने की पूरी कोशिश की है। लेकिन भविष्य में ये संतुलन कितना बना रह सकता है ये कहना फिलहाल काफी मुश्किल है। भारत ने पिछले दिनों सुरक्षा परिषद में इस मुद्दे पर हुई वोटिंग में दूरी बनाकर रखी थी। इसका सीधा अर्थ था कि वो रूस के साथ है। उस वक्त भारत ने कहा था कि वो इस तनाव का समाधान तलाशना चाहता है। भारत इस मसले का समाधान खोज कर तनाव को खत्म करना चाहता है। भारत ये भी चाहता है कि इस समस्या का समाधान सभी देशों के हितों को ध्यान में रखते हुए खोजने की जरूरत है। साथ ही ये एक ऐसा समाधान होना चाहिए जो लंबे समय तक के लिए हो। प्रोफेसर पंत का कहना है इस तनाव को खत्म करने के लिए भारत के पास बेहद सीमित साधन है। उनका ये भी कहना है कि इस संकट का आखिरी नतीजा भारत के हितों को भी निश्चित तौर पर प्रभावित करेगा। यही वजह है कि भारत को इसका आकलन भी सावधानी से करना होगा। प्रोफेसर पंत का कहना है कि रूस और चीन के बीच आई नजदीकी भविष्य में भारत के हितों को नुकसान पहुंचा सकती है। यही वजह है कि भारत ज्यादा समय तक इस नए गठबंधन की अनदेखी नहीं कर सकेगा।

बैठक में लालू परिवार की दरार फिर उजागर, तेजस्वी के संबोधन का तेज प्रताप ने किया बायकाट

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के परिवार में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है, इसकी झलक एक बार फिर देखने को मिली है। आरजेडी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान गुरुवार को लालू के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ठीक उस वक्त बाहर निकल गए। तेज प्रताप के इस कदम से पिता लालू प्रसाद यादव कुछ परेशान दिखे। हालांकि, उन्होंने उस वक्त कुछ नहीं कहा। आरजेडी कार्यकारिणी की बैठक से पहले से तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे। कहा जा रहा था कि बैठक में लालू प्रसाद यादव राबड़ी देवी या

मंच से उठकर चले गए, जब उनके भाई छोटे तेजस्वी यादव ने अपना संबोधन शुरू किया। आरजेडी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान तेजस्वी यादव के भाषण के दौरान मंच पर लालू प्रसाद यादव के साथ तेज प्रताप यादव भी मंच पर थे। बैठक को जैसे ही तेजस्वी ने संबोधित करना शुरू किया, तेज प्रताप अचानक कुर्सी से उठे और तेजी से मंच से उतर कर बैठक से तेजस्वी यादव को लेकर कोई बड़ी घोषणा कर सकते हैं। इस बीच तेजस्वी को पार्टी का अध्यक्ष बनाए जाने की अफवाह भी उड़ी, जिसे खुद लालू ने पहले ही खारिज कर दिया था। हालांकि, इसका पहला खंडन तेज प्रताप ने ही किया था। तेज प्रताप ने कहा था कि आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उनके पिता लालू प्रसाद थे, हैं और भविष्य में भी रहेंगे।

नवजोत सिंह सिद्धू के प्रचार में उतरी बेटी राबिया, कहा- चन्नी पापा के सामने खड़े होने लायक भी नहीं

अमृतसर। नवजोत सिंह सिद्धू के चुनाव प्रचार के लिए उनकी बेटी राबिया सिद्धू भी सक्रिय हो गई हैं। अमृतसर पूर्वी सीट पर वह भी पिता की तरह नवजोत सिंह सिद्धू की तरह बिक्रम सिंह मजीठिया पर पूरी तरह से आक्रामक हैं। इस सीट पर अकाली दल के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया व नवजोत सिंह सिद्धू आमने-सामने हैं। राबिया ने मुख्यमंत्री चरणजीत चननी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह उनके पिता नवजोत सिंह सिद्धू के सामने खड़े होने के लायक नहीं। 133 करोड़ संपत्ति वाले चननी गरीब

नहीं हो सकते। उनके पिता पंजाब माडल के लिए 14 वर्षों से प्रयासरत हैं। उन्हें विश्वास है कि जीत पापा की होगी, क्योंकि वह सच्चे हैं। सिद्धू ने कहा था कि हमारे पास पैसे नहीं कि बेटी की शादी कर सकें। राबिया ने इस पर कहा कि वह भावुक होकर ऐसा बोल गए थे। मेरे लिए उनके पास सब कुछ है। इसके साथ ही राबिया सिद्धू ने ऐलान किया कि वह तब तक शादी नहीं करेंगी जब तक उनके पिता नवजोत सिंह सिद्धू नहीं जीत जाते। राबिया सिद्धू भी अब राजनीति का क ख ग सीख गई हैं। राबिया ने मजीठिया पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके मजीठा विधानसभा क्षेत्र में करियाने की दुकान पर ही 20-20 रुपये में चिट्टा मिलता है। कांग्रेस अमृतसर में ऐसा होने नहीं देंगे। राबिया ने कहा कि यह लोगों को तय करना है कि उन्होंने नशे में लिप्त लोगों को वोट करना है या ईमानदार व सच्चाई के राह पर चलने वाले उनके पिता नवजोत सिंह सिद्धू को। राबिया ने कहा कि जो लोग चुनाव के मौसम में इधर-उधर करते हैं यानी बिकते हैं वह आत्ममंथन जरूर करें।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने माना, तेजी से कम हो रही कोरोना की तीसरी लहर, लेकिन केरल और मिजोरम के हालात चिंता वाले

नई दिल्ली। देश में कोविड-19 महामारी की स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है लेकिन केरल और मिजोरम सहित कुछ राज्यों में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। इन राज्यों में बड़ी संख्या में

कोरोना संक्रमितों का मिलना जारी है। यह बात स्वास्थ्य मंत्रालय ने कही है। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डा. वीके पाल ने कहा, देश के बड़े इलाके में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या का कम होना जारी है। लेकिन करीब 40 जिलों में संक्रमितों की साप्ताहिक संख्या बढ़ रही है। वहां पर ज्यादा सतर्कता बरते जाने की जरूरत है। डा. पाल ने कहा, देश में महामारी नियंत्रण की स्थिति सकारात्मक है। बावजूद इसके खतरा टला नहीं है। राज्य और जिला स्तर पर सतर्कता और बचाव के प्रयास जारी रखने की जरूरत है। डा. पाल ने कहा, केरल में डेली पाजिटिविटी रेट 29.57 प्रतिशत है, तो मिजोरम में यह 26.5 प्रतिशत है। सिक्किम में 17 प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में 11.79 प्रतिशत है और अरुणाचल प्रदेश में 12 प्रतिशत है। पांच प्रदेशों के ये आंकड़े चिंता में डालने वाले हैं। वहां पर संक्रमण रोकने के विशेष प्रयासों की जरूरत है। डा. पाल ने बताया कि यह सही है कि संक्रमण के शीर्ष स्तर को हम पार कर चुके हैं, लेकिन सतर्कता अभी भी जरूरी है। अगर ढिलाई बरती गई तो मुश्किल बढ़ सकती है। इसलिए फेस मास्क का इस्तेमाल, बार-बार हाथ धोना, शारीरिक दूरी बनाए रखना और भीड़ वाली जगहों पर जाने से बचना जरूरी है। इसी के साथ वैक्सीन की पूरी खुराक लेना भी आवश्यक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी आने वाले महीनों में इस तरह की सतर्कता जरूरी बताई है।

रणवीर सिंह नहीं बल्कि साउथ के ये दो सुपरस्टार हैं दीपिका पादुकोण के फेवरेट एक्टर्स, खुद एक्ट्रेस ने किया खुलासा

नई दिल्ली। दीपिका पादुकोण इन दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई अपनी फिल्म 'गहराइयां के प्रमोशन में बिजी हैं। हाल ही में एक प्रमोशनल इंटरव्यू के दौरान करती हैं ईटाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार दीपिका ने एक न्यूज पोर्टल को बताया कि वो साउथ को दो सुपरस्टार्स की दीवानी हैं। दीपिका के फेवरेट पति रणवीर सिंह नहीं

एक्ट्रेस ने अपने फेवरेट एक्टर के बारे में बताया, अगर आप सोच रहे हैं कि वो रणवीर सिंह हैं तो बता दें कि आप गलत सोच रहे हैं। दीपिका के फेवरेट एक्टर और डायरेक्टर बॉलीवुड से नहीं हैं बल्कि वो साउथ के सितारों को पसंद बल्कि जूनियर एनटीआर और पुष्पा स्टार अल्लु अर्जुन हैं। दीपिका के अनुसार ये दोनों ही शानदार एक्टर्स हैं, और उन्हें काफी पसंद हैं इसके अलावा, उसने अपनी फेवरेट लिस्ट में डायरेक्टर के नाम का भी खुलासा किया। दीपिका ने खुलासा किया कि वह अयान मुखर्जी के साथ काम करना पसंद करेंगी, भले ही वह उनके साथ 'ये जवानी है दीवानी' में काम कर चुकी हैं। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि वह एसएस राजामौली के साथ भी काम करना चाहेंगी। इसके अलावा दीपिका हॉलीवुड फिल्म 'द इंटर्न के ऑफिशियल हिंदी रीमेक में 'पीकू के अपने सह-कलाकार अमिताभ बच्चन के साथ फिर से दिखाई देना चाहतीं है। फिल्म में दीपिका के साथ ऋषि कपूर थे। दिग्गज अभिनेता के निधन के बाद, निर्माताओं ने उनकी जगह बिग बी को चुना। नाग अश्विन की अगली फिल्म में दीपिका मिस्टर बच्चन और प्रभास के साथ काम करेंगी। बता दें कि दीपिका सिद्धार्थ आनंद की आने वाली फिल्मों जैसे शाहरुख खान और जॉन अब्राहम के साथ 'पठान' और ऋतिक रोशन के साथ 'फाइटर' का भी हिस्सा हैं। आज दीपिका की फिल्म गहराइयां ओटीटी पर रिलीज हो चुकी हैं और इसे दर्शकों का काफी प्यार मिल रहा है।

फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर की शादी पर एक्टर की मां ने किया खुलासा

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर फरहान अख्तर और उनकी गर्लफ्रेंड शिबानी दांडेकर की शादी को लेकर मीडिया में लंबे वक्त से अटकलें लगती रही हैं। जिस पर हाल ही में उनके पिता गीतकार और स्क्रीन राइटर जावेद अख्तर ने अपनी चुप्पी तोड़ी थी। अब फरहान अख्तर की मां हनी ईरानी ने भी मीडिया में इस बारे में बात की है। खबरें आ रही थी कि चार साल के लंबे रिलेशनशिप के बाद फाइनली अब यह कपल शादी के बंधन में बंधने को तैयार है और इसी साल 21 फरवरी को दोनों शादी कर सकते हैं। इस पर हनी ईरानी ने ई-टाइम्स से बातचीत में कहा, यह एक खुशी का मौका है और मैं इसका इंतजार कर रही हूं। असल में, परिवार में हर कोई इसका इंतजार कर रहा है। हम सभी बहुत एक्साइटेड हैं। हनी ने यह भी बताया कि कुछ दिनो पहले फरहान और शिबानी ने उन्हें डिनर पर बुलाया था और वहीं दोनों ने अपनी शादी के फैसले के बारे में उन्हें बताया। हनी ने आगे कहा,सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे दोनों बहुत खुश हैं। मुझे उम्मीद है कि उनके पास एक शानदार जीवन है, यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि वे अब शादी के बंधन में बंध रहे हैं। दोनों एक-दूसरे के बारे में बेहद सीरियस है। लेकिन सच कहूं तो आजकल कपल्स शादी के बारे में निर्णय लेने से पहले कुछ समय लेते हैं। हम इसका सम्मान करते हैं। हम बीच में इंटरफेयर करने वालों में से नहीं है। शिबानी और फरहान दोनों ही मेच्योर हैं। जो कुछ भी वे चाहते थे, हमने उसके लिए हामी भर दी है। शिबानी के बारे में बात करते हुए हनी ने कहा, शिबानी प्यारी, अच्छी और सुंदर है। वह फरहान के प्यार में पागल है। फरहान भी उसके प्यार में पागल है। मुझे उम्मीद है कि वे एक-दूसरे को खुश रखेंगे। आपको बता दें

कि फरहान अख्तर जावेद अख्तर और उनकी पहली पत्नी हनी इरानी के बेटे है और उनकी एक बहन जोया अख्तर भी हैं।

टीवी एक्टर विभु राघवे को हुआ चौथे स्टेज का कैंसर

नई दिल्ली। 'निशा और उसके कजिन' से लोकप्रिय हुए टीवी एक्टर विभु राघवे चौथे स्टेज के कैंसर से जूझ रहे हैं। जिसकी जानकारी उन्होंने खुद अपने सोशल मीडिया के जरिए फैंस और अपने इंडस्ट्री के दोस्तों को दी। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर अस्पताल से एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में अपने कैंसर के बारे में बात करते करते वह काफी भावुक हो गए। ये खबर सामने आने के बाद उनके फैंस और इंडस्ट्री के दोस्त लगातार उनके जल्द से जल्द ठीक होने की प्रार्थना कर रहे हैं। सोशल मीडिया के जरिए उनके दोस्त उनका हौसला बढ़ा रहे हैं। विभु राघवे ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करके अपने फैंस को बताया कि उन्हें दो हफ्ते पहले ही ये पता चला है कि उन्हें चौथे स्टेज का कैंसर है। विभु राघव ने कहा, 'मैं अस्पताल में हूं और मैंने सोचा कि मैं आपको बता दूं कि यहां पर क्या हो रहा है। मैं पिछले 2-3 हफ्ते से बीमार था और लगभग दो हफ्ते पहले ही उन्होंने मुझमे चौथे स्टेज का कैंसर पाया। जो एडवांस स्टेज वाली स्थिति में हैं और काफी खतरनाक है। मैंने ऐसा कभी नहीं सोचा था। एक दिन में मेरी जिंदगी पूरी तरह से बदल गई। फिर भी हम मजबूत हो रहे हैं और इसका सामना करते हुए आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। विभु राघवे अपने कैंसर के स्टेज के बारे में बात करते-करते काफी भावुक हो गए। उन्होंने आगे कहा, 'डॉक्टर्स की एक अच्छी टीम मेरे आस पास है, लेकिन उन्हीं के साथ मेरे पास बहुत लोग प्यार और शुभकामनाएं भेज रहे हैं। चलो अच्छी चीजों के लिए प्रार्थना करते हैं'। फैंस से बात करते हुए वह काफी भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू छलक गए। जैसे ही उन्होंने अपने कैंसर के बारे में बताया सितारों और उनके फैंस ने उनके जल्द से जल्द ठीक होने की प्रार्थना की।

हिजाब विवाद पर कंगना रनोट के रिएक्शन के बाद आया शबाना आजमी का जवाब अफगानिस्तान से की भारत की तुलना

नई दिल्ली। कर्नाटक के उडुपी जूनियर कॉलेज में हिजाब को लेकर शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। इस विवाद ने अब व्यापक सियासी रूप ले लिया है। इसमें अब रानेताओं के साथ-साथ

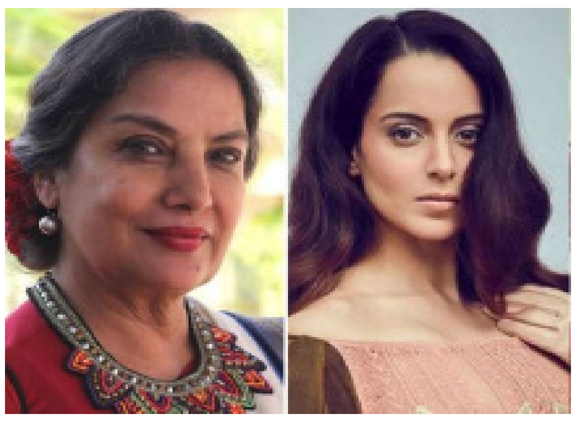

बॉलीवुड स्टार्स भी कूद पड़े हैं। ऋचा चड्ढा, जावेद अख्तर के बाद पंगा गर्ल कंगना रनोट ने भी इस मुद्दे पर अपनी राय रखी है। वैसे तो कंगना काफी मुखर हैं और किसी भी कॉन्ट्रोवर्सी में अपना पक्ष रखे बिना मानतीं नहीं हैं तो यहां भी हिजाब का समर्थन करने वालों के एक्ट्रेस ने सलाह दी है। इसके बाद शबाना आजमी ने भी कंगना को उनके पोस्ट पर जवाब दिया है। कंगना रनोट ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर की है, जो लेखक आनंद रंगनाथन के पोस्ट का स्क्रीनशॉट है। इस पोस्ट में बदलते हुए ईरान की झलक दो तस्वीरों के जरिए दिखाई गई है। पहली तस्वीर में साल 1973 में ईरान की महिलाएं बिकिनी में नजर आ रहीं हैं और अब की महिलाएं बुर्का पहने दिख रही हैं। इस तस्वीर के साथ लिखा है कि 1973 का ईरान और अब का ईरान। आनंद रंगनाथन की पोस्ट का स्क्रीनशॉट अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर करते हुए कंगना रणौत ने भी इस मामले पर अपने राय भी जाहिर की। कंगना ने लिखा, 'अगर हिम्मत दिखानी है तो अफगानिस्तान में बुर्का ना पहनकर दिखाओ खुद को पिंजरे से मुक्त करना सीखें। शबाना आजमी ने कंगना रनोट के पोस्ट का स्क्रिनशॉर्ट शेयर करते हुए लिखा, 'अगर मैं गलत हूं तो मुझे सुधारो लेकिन अफगानिस्तान एक धार्मिक राज्य है और जब मैंने आखिरी बार चेक किया था, तो मैंने पाया की भारत एक धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य था इस विवाद में मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए एक ट्वीट किया। इसमें उन्होंने लिखा, 'मैं कभी हिजाब के पक्ष में नहीं रहा। मैं अब भी उस पर कायम हूं, साथ ही मैं उन लड़कियों के छोटे गुरूप को डराने धमकाने की कोशिश करने वाले गुंडों की निंदा करता हूं। क्या यही उनकी मर्दानगी है। अफसोस की बात है। वहीं, ऋचा चड्ढा ने ट्वीट कर लिखा अपने लड़कों को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाएं। कायरों का एक झुंड अकेली छात्रा पर हमला करने को गर्व समझ रहा है। ये शर्मनाक है। आने वाले कुछ सालों में ये सभी बेरोजगार, निराश और दरिद्र हो जाएंगे। ऐसों के लिए कोई सहानुभूति नहीं कोई मुक्ति नहीं। मैं इस तरह की घटनाओं पर थूकती हूं।'

मां बनने के बाद ऐसे टाइम स्पेंड कर रहीं हैं प्रियंका चोपड़ा, देसी गर्ल ने शेयर की ये तस्वीर

नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी नई इसरो-थीम वाली टी-शर्ट दिखाने के लिए इंस्टाग्राम पर एक नई सेल्फी शेयर की है। उन्होंने

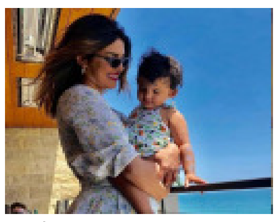

अपनी दोस्त नताशा पाल को लाल टी-शर्ट उपहार में देने के लिए धन्यवाद दिया, जिस पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन लिखा हुआ है। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर सेल्फी शेयर करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने लिखा, 'इसरो स्वैग में। गीकिंग आउट। धन्यवाद देसी गर्ल रेड टी-शर्ट में पलक झपकाते हुई दिखाई दे रहीं हैं। जिस पर 'इसरो' लिखा हुआ है। उसके हाइलाइट किए गए ताले तस्वीर में ध्यान चुराते हैं। पिछले महीने अपने पहले बच्चे का स्वागत करने के बाद प्रियंका फिलहाल मातृत्व का आनंद ले रहीं हैं। उन्होंने और उनके पति निक जोनस ने सरोगेसी के जरिए अपने बच्चे के जन्म की घोषणा की। एक संयुक्त बयान में, निक और प्रियंका ने लिखा था, 'हमें यह पुष्टि करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमने सरोगेट के माध्यम से एक बच्चे का स्वागत किया है। गोपनियता की मांग करते हैं, क्योंकि हम अपने परिवार पर अपना ध्यान रखना चाहतें हैं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

राइमा सेन ने बिकिनी पहन पूल के पानी में लगाई आग, गीले बालों में एक्ट्रेस की बोल्ड अदाएं देखने से पहले जरा थाम लें अपना दिल

नई दिल्ली। बंगाली एक्ट्रेस राइमा सेन न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि अपनी बोल्ड पर्सनालिटी के लिए भी जानी जाती हैं। राइमा ने बंगाली फिल्मों के साथ हिंदी सिनेमा में भी काम किया है। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। राइमा लगभग हर दिन ही अपनी हॉट एंड बोल्ड फोटोशूट के

जरिए फैंस को सरप्राइज देती हैं। इसी बीच राइमा ने अपनी एक बेहद बोल्ड तस्वीर शेयर कर इंटरनेट पर आग लगा दी है। इस तस्वीर में उनका हॉट लुक देखकर आप भी अपना दिल थाम लेंगे। यहां देखें तस्वीर राइमा सेन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है जो बेहद बोल्ड है। इस तस्वीर में वह पूल में बिकिनी पहने हॉट पोज देती दिख रही हैं। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि वह ब्लैक कलर की बिकिनी पहने हुए पूल के पानी में अपनी हॉटनेस का जलवा दिखा रही हैं। वहीं इस दौरान वह राइमा अपने गीले बालों को पीछे करते हुए काफी हॉट दिख रही हैं। राइमा की ये तस्वीर उनके फैंस के क्रेजी बना रहा है। इस तस्वीर पर फैंस के लगातार रिएक्शन आ रहे हैं। वहीं इस पर कमेंट कर उनके फैंस कमेंट क्र उनकी हॉटनेस की तारीफ करते दिख रहे हैं। आपको बता दें कि इससे पहले भी राइमा सेन अपनी एक बिकिनी तस्वीर शेयर की ?थी। इस तस्वीर में भी वह अपने बकिनी अवतार से फैंस को हैरान कर रही थी। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि राइमा सेन ब्लैक कलर की हॉट बिकिनी पहन पूल के पानी में आग लगाती नजर आ इस दौरान रोइमा का कैमरे के सामने देखकर पोज देने का अंदाज फैंस को दीवाना बना रहा है। इस तस्वीर को हमेशा की हमेशा की तरह उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं इस पर कमेंट कर उनकी तारीफ के पुल बांध रहे हैं।

दुनिया को बचाने के लिए बड़े पर्दे पर लौट रहा है 'शक्तिमान', 'इंडिया का सुपरस्टार' दिखेगा सुपरहीरो के अवतार में

नई दिल्ली। टीवी के पॉपुलर शो 'शक्तिमान' दर्शकों खासतौर पर बच्चों का पसंदीदा शो रहा है। इस शो को बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार भारतीय दर्शक बीते कई सालों से बड़े ही बेसब्री से कर रहे हैं। एक्टर मुकेश खनन ने अपने किरदार 'शक्तिमान' से घर-घर में पहचान बनाई। वहीं बीते काफी रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में इंडिया के सुपरस्टार नजर आएंगे। टीजर वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक बड़ा उल्कापिंड धरती की तरफ बढ़ रहा है। वहीं धरती को बचाने के लिए एक शक्तिमान फिर से पहुंच जाते हैं। इसमें शक्तिमान की कुछ झलक दिखती हैं, जिस में उनकी ड्रेस के साथ ही चश्मा और कैमरा

वक्त से 'शक्तिमान' फिल्म को लेकर कई सारी खबरें मीडिया में सामने आ रही हैं। इसी बीच अब गुरुवार को सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शन्स ने फैंस को एक बड़ा तोहफा दिया है। वो ये कि 'शक्तिमान' पर फिल्म बन रही है जिसका धमाकेदार टीजर रिलीज हो चुका है। दरअसल 'सोनी पिक्चर्स इंडिया' ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'शक्तिमान' का एक वीडियो पोस्ट किया गया है। इस वीडियो में आने वाली फिल्म 'शक्तिमान' की कुछ झलकियां दिखाई गई हैं। इस प्रोमो में आप देख सकते हैं कि फिर से 'शक्तिमान' दर्शकों के बीच छाने के लिए तैयार है। 'शक्तिमान' एक बार फिर से एक पत्रकार के किरदार में नजर आएगा। वहीं दिखता है। सोनी ने अपने 'शक्तिमान' के टीजर को ट्वीट करते हुए लिखा, 'कई सुपरहीरोज की भारत और पूरी दुनिया में सफलता के बाद, अब वक्त है हमारे देसी सुपरहीरो का।' वहीं दूसरी तरफ एक्टर मुकेश खनन ने भी 'शक्तिमान' का टीजर शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'मैं लेट हो गया हूं आपको बताने में क्योंकि ये खबर वायरल हो चुकी है कि हम 'शक्तिमान' फिल्म बना रहे हैं। फिर भी मेरा ये फर्ज बनता है कि मैं आपसे कहूं कि जो मैंने वादा किया था वो पूरा कर दिया है। 'शक्तिमान' फिल्म की घोषणा हो चुकी।'

10 से 11 बजे के टाइम स्लॉट में देखें कलर्स के दो दिलचस्प शो

नई दिल्ली। भारत में टीवी सीरियल को काफी पसंद किया जाता है और अगर सीरियल की कहानी दिलचस्प है, तो कई-कई एपिसोड देखे जाते हैं। हालांकि, अगर सही समय पर सीरियल का टेलीकास्ट न हो, तो कहानी कितनी भी अच्छी क्यों न हो, परिवार के सदस्य उसपर ज्यादा ध्यान नहीं देते। हम सभी को पता है कि मतलब यह नहीं है कि टीवी सीरियल के नाम पर कुछ भी दिखा दिया जाए। कहानी चाहे फिल्मी हो या फिर टीवी सीरियल की, अगर वो दर्शकों को बांधने में कामयाब रहती है, तो बहुत जल्दी हिट हो जाती है। अब चूंकि रात 10 से 11 बजे का स्लॉट बहुत ही महत्वपूर्ण स्लॉट होता है, इसलिए अपने दर्शकों के लिए दो दिलचस्प शो लेकर आया है, जिसका नाम है (परिणीति) और (फना जिस टाइम स्लॉट में ये दोनों शो आ रहे हैं वो बहुत ही अच्छा स्लॉट माना जाता है। यह वह समय होता है, जहां ऑफिस का काम करने वाले घर लौट आते है, स्कूल और कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चे अपनी पढ़ाई कर लेते हैं और घर की सभी महिलाएं अपना सारा काम करके व डिनर करके खाली हो जाती हैं।

परिवार के सदस्य पूरे हफ्ते में शनिवार और रविवार या पूरे दिन में रात 10 से 11 बजे के बीच खाली होते हैं। वीकेंड का पूरा समय घूमने-फिरने, शॉपिंग और घर के जरूरी काम करने में ही बीत जाता है, तो वहीं वीक डे में रात 10 से 11 बजे के बीच का समय बचता है, जहां घर में हर कोई एक साथ बैठकर टीवी सीरियल या दूसरे शो का आनंद लेता ह लेकिन इसका ऐसे में परिवार के सभी सदस्य बिना किसी बाधा के इन दोनों शो का आनंद ले सकते हैं। यह कहानी है पंजाब की रहने वाली दोस्त नीति और परिणीत की, जो रहती हैं साथ लेकिन सोच अलग-अलग है। एक तरफ परिणीत पंजाब की जमीन से जुड़ी हैं और अपने जीवन से बहुत ही संतुष्ट हैं।

अपने 'राजा' संजय कपूर के साथ सुपरस्टार बनकर डिजिटल डेब्यू कर रहीं माधुरी दीक्षित

नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के भारत में बूम के साथ तमाम बॉलीवुड सेलेब्रिटीज के सामने कहानियों का एक नया संसार खुल गया है, जहां उनकी प्रतिभा और कद के अनुसार किरदार गढ़े जा रहे हैं।नेटफ्लिक्स पर अरण्यक याद होगी, जो 1995 में आयी थी। यह फिल्म संजय की डेब्यू फिल्म प्रेम के एक महीने बाद सिनेमाघरों में आयी थी। उस वक्त संजय डेब्यूटेंट थे और माधुरी स्थापित सितारा। संयोग से ओटीटी की दुनिया में संजय माधुरी से सीनियर

सीरीज से रवीना टंडन के ओटीटी डेब्यू के बाद अब बारी है बॉलीवुड की धक-धक गर्ल और नब्बे के दौर की सबसे बड़ी अभिनेत्रियों में से एक माधुरी दीक्षित की, जो नेटफ्लिक्स की ही सस्पेंस-थ्रिलर वेब सीरीज द फेम गेम से डिजिटल पारी शुरू कर रही हैं। रवीना को अपनी पहली सीरीज में जहां वो किरदार निभाने का मौका मिला, जिसे वो अपने पूरे फिल्मी करियर में निभाने का सपना देखती रहीं, वहीं माधुरी को पहली सीरीज में वो किरदार निभाने का मौका मिला है, जो वो रियल लाइफ में रही हैं। यानी सुपरस्टार। मगर, द फेम गेम की कहानी इतनी भर नहीं है। गुरुवार को सीरीज का ट्रेलर रिलीज हुआ तो माधुरी के किरदार और कहानी की झलक सामने आयी। द फेम गेम में माधुरी अनामिका आनंद नाम की एक सुपरस्टार बनी हैं। उसका पति और दो बच्चे हैं। पति के किरदार में संजय कपूर हैं। संजय और माधुरी की फिल्म राजा आपको हैं। खैर, अनामिका एक दिन अचानक गायब हो जाती है। 48 घंटों तक जब कोई खबर नहीं मिलती तो अफरा-तफरी मचती है। पुलिस और मीडिया सक्रिय हो जाते हैं। सेक्रेड गेम्स फेम राजश्री देशपांडे इनवेस्टिगेटिंग अफसर बनी हैं, जो अनामिका की गुमशुदगी का केस संभाल रही हैं। तफ्तीश में एक एंगल एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का भी निकलता है। इस किरदार में मानव कौल हैं। बहरहाल, पूरी सीरीज अनामिका की खोज पर केंद्रित है। इसीलिए घोषणा करते वक्त इस सीरीज का शीर्षक भी फाइंडिंग बताया गया था। बाद में नाम बदलकर द फेम गेम कर दिया गया है। द फेम गेम करण जौहर की डिजिटल कंटेंट बनाने वाली कम्पनी धर्मेटिक की पेशकश है। सीरीज का निर्देशन श्री राव ने किया है। नेटफ्लिक्स पर द फेम गेम 25 फरवरी को रिलीज हो रही है।

16 बच्चों की किडनैपर के रोल में यामी गौतम का डेंजरस अवतार

नई दिल्ली। नसीरुद्दीन शाह और अनुपम खेर की जुगलबंदी वाली यादगार फिल्म अ वेडनेसडे के बाद अब इसकी अगली कड़ी छोड़ती। उसकी अगली डिमांड देश की प्रधानमंत्री से बात करने की है। इस किरदार में वेटरन एक्टर डिम्पल कपाडिया हैं। पीएम किसी

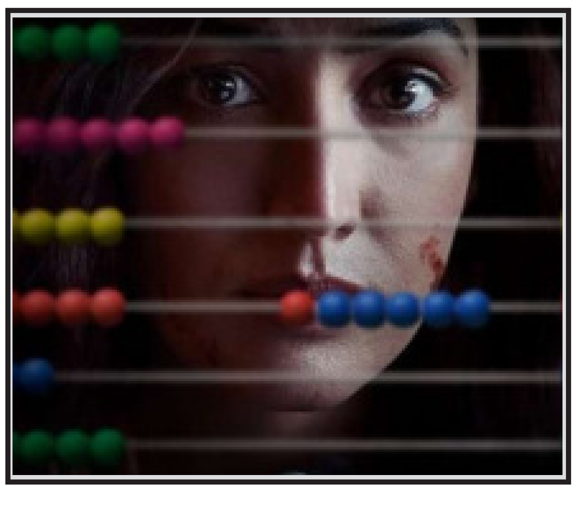

के रूप में अ थर्सडे आ रही है। यामी गौतम धर फिल्म में लीड रोल निभा रही हैं, जो एक प्ले स्कूल की टीचर और किडनैपर का है। फिल्म का ट्रेलर इसके शीर्षक को सही ठहराते हुए गुरुवार को रिलीज किया गया है। अ थर्सडे एक हॉस्टेज ड्रामा है, जिसमें यामी गौतम का किरदार 16 बच्चों को बंधक बना लेता है और 5 करोड़ रुपये की डिमांड अथॉरिटीज के सामने रखता है। ट्रेलर की शुरुआत प्ले स्कूल से होती है, जहां यामी का किरदार नैना जायसवाल टीचर है। नैना कोलाबा पुलिस को फोन करके बताती है कि उसने 16 बच्चों को किडनैप कर लिया है। एसीपी कैथरीन अल्वरेज के किरदार में नेहा धूपिया अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचती हैं, लेकिन नैना कहती है कि जावेद खान से बात करनी है। सीनियर अफसर जावेद खान के किरदार में अतुल कुलकर्णी हैं। नैना उनसे कहती है कि उसे पांच करोड़ चाहिए। जावेद नैना की बात मान लेता है, मगर बात इतनी सी नहीं है। नैना बच्चों को नहीं डिमांड के आगे झुकने को तैयार नहीं। ट्रेलर में इन्हीं सारे किरदारों के साथ हॉस्टेज ड्रामा की तनावपूर्ण स्थिति को दिखाया गया है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।